आज का सुविचार

मनुष्य का सबसे बड़ा यदि कोई शत्रु है तो वह है उसका अज्ञान। - चाणक्य

दैनिक
इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

आरएनआई नं. MPHIN/2018/77221
डाक पंजीयन नं. MP/BHOPAL/4-504/2020-22

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस | 2018 में स्थापित | ITDCNEWS.COM

वर्ष-4 अंक-293 भोपाल, शनिवार 4 सितंबर, 2021, पृष्ठ-8, मूल्य-3 रुपए

पंचांग

भाद्रपद कृष्णा
द्वादशी, शनिवार
विक्रम, संवत 2078

मौसम

सूर्योदय/सूर्यास्त	6:01/6:40
वर्षा/बादल %	10 %
नमी %	79 %
वायु (किमी/घं.)	06
तापमान प्रातः/रात्रि (डिग्री से.)	28°/23°

स्वर्ण दर 24 कैरेट

प्रति 10 ग्राम/1तोला ₹ 48,600

शेयर सूचकांक

बीएसई	58129.94	+277.41
निफ्टी	17323.60	+89.45

कोरोना को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त

केरल में 6 सितंबर से 11वीं की परीक्षा कराने पर रोक लगाई

» कोविड डेथ सर्टिफिकेट और मुआवजे को लेकर केंद्र को फटकारा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने केरल में 6 सितंबर से 11वीं कक्षा की परीक्षा फिजिकल तौर पर कराने के राज्य सरकार के फैसले पर अंतरिम रोक लगा दी है। राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए अदालत ने यह फैसला लिया। कोर्ट का कहना है कि कोरोना मामलों में लगातार बढ़ोतरी के कारण केरल की स्थिति

हमने पहले ही आदेश दिया था। एक बार समय भी बढ़ाया। आप गाइडलाइन तैयार करेंगे, तब तक तीसरी लहर भी खत्म हो जाएगी।

केंद्र के रवैये पर कोर्ट की टिप्पणी

केरल में कोरोना के मरीज तेजी से बढ़ रहे

केरल देश का इकलौता राज्य है, जहां कोरोना के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। यहां एक दिन में मिलने वाले नए मरीजों की संख्या 32 हजार को पार कर गई है। मौतों में महाराष्ट्र आगे है। यहां एक दिन में सबसे ज्यादा 183 मौतें दर्ज की गई हैं। बुधवार को देश में करीब 46 हजार मरीज मिले और 509 मौतें दर्ज की गईं। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से 32,694 केस (करीब 76 फीसदी) सिर्फ केरल में ही मिले, जबकि वहां 173 मौतें दर्ज की गईं। कोरोना वायरस की वजह से जान गंवाने वालों के परिवारों को डेथ सर्टिफिकेट जारी करने के लिए गाइडलाइन तैयार करने में देरी हुई है।

...तब तक तीसरी लहर भी खत्म हो जाएगी

बेंच ने कहा कि हमने बहुत समय पहले आदेश जारी किया था और एक बार समय भी बढ़ा चुके हैं। जब तक आप गाइडलाइन तैयार करेंगे, तब तक तीसरी लहर भी खत्म हो जाएगी। 30 जून को जारी आदेश में कोर्ट ने कहा था कि मौत का सही कारण कोविड-19 से हुई मृत्यु के रूप में बताना चाहिए, ताकि मृतक पर निर्भर लोगों को सक्षम बनाया जा सके। उन्हें कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल सके।

10 दिन का और समय देने से कोर्ट का इनकार:- एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी ने कोर्ट को बताया कि हमें खेद है कि हम हलफनामा दाखिल नहीं कर पाए। अदालत 10 दिन का और समय दे, क्योंकि इस मुद्दे पर सरकार लगातार एक्सपर्ट्स से चर्चा कर रही है।

सिद्धार्थ का आखिरी सफर

सिद्धार्थ के अंतिम संस्कार में सुशांत की यादें ताजा

बारिश के बीच दी गई मुखाग्नि, मां-बहनों के साथ गर्लफ्रेंड शहनाज भी पहुंचीं

नई दिल्ली। एक्टर सिद्धार्थ शुक्ला का शुक्रवार को साढ़े तीन बजे ओशिवारा श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार ब्रह्मकुमारी रीति-रिवाजों के मुताबिक किया गया। सिद्धार्थ बचपन से ही इस संस्था से जुड़े थे। श्मशान घाट पर सेलेब्रिटीज और फैंस की भीड़ ने उन्हें अंतिम विदाई दी। इस मौके पर सुशांत सिंह राजपूत की यादें ताजा हो गईं। सिद्धार्थ के अंतिम संस्कार पर भी बारिश हो रही है और सुशांत के वक्त पर भी ऐसा ही था। सुशांत के वक्त भी बहनें श्मशान तक आई थीं, सिद्धार्थ की मां और बहनें भी आई हैं। उनकी गर्लफ्रेंड शहनाज भी बदहवासी की हालत में पहुंची हैं। सुशांत के वक्त उनकी गर्लफ्रेंड रिया चक्रवर्ती भी पहुंची थीं। 40 साल के सिद्धार्थ का गुरुवार को हार्ट अटैक से निधन हो गया था। उनकी पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आ चुकी है, जिसमें किसी बाहरी चोट का जिक्र नहीं है। हालांकि, डॉक्टरों ने अपना कमेंट अभी नहीं दिया है।

जेएनयू में तैयार होंगे राष्ट्रवादी एक्सपर्ट

एंटी नेशनल विचारधारा को डीकोड करेगा जेनएयू

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी, यानी छ्रह में आतंकवाद के खिलाफ सेंटर फॉर नेशनल सिक्योरिटी का गठन किया गया है। इस विभाग को स्पेशल ओहदा दिया गया है। यह विभाग स्वतंत्र रूप से अपना काम करेगा। इसमें देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने क्रॉस बार्डर टेररिज्म और स्टेट स्पॉन्सर्ड टेररिज्म समेत आतंकवाद के सभी पहलुओं पर डॉक्टरेट लेवल की रिसर्च होगी। इसके लिए एक्सपर्ट की एक फौज तैयार की जा रही है, जो न सिर्फ आतंकवाद के खिलाफ पॉलिसी बनाएगी, बल्कि एंटी नेशनल एक्टिविटी और विचारधारा को भी डीकोड करेगी। 9 फरवरी, 2016 को छ्रह में वामपंथी विचार धारा के छात्रों ने देश विरोधी नारे लगाए थे। लेफ्ट विचारधारा का गढ़ कहे जाने वाले छ्रह में तब से लेकर अब तक कई बदलाव हुए और उनका विरोध भी। अब यूनिवर्सिटी परिसर में शहीद भगत सिंह मार्ग और सावरकर मार्ग बन चुका है। स्वामी विवेकानंद की मूर्ति की स्थापना भी 2 साल पहले ही हो गई है। कुल मिलाकर JNU में लगातार परिवर्तन हो रहा है। सोशल स्टडीज के एक प्रोफेसर ने नाम न बताने की शर्त पर कहते हैं, देशद्रोही नारों की वजह से धूमिल हुई छ्रह की छवि अब सेंटर फॉर नेशनल सिक्योरिटी स्टडीज में आतंकवाद के हर आयाम पर गहरा शोध करने के बाद तैयार हुए देशभक्त एक्सपर्ट्स बदलेंगे!

अमेरिका में इडा तूफान से 44 की मौत

» 400 साल की सबसे भीषण बारिश के बाद इतिहास में पहली बार न्यूयॉर्क में इमरजेंसी लागू; हाईवे नदियों में तब्दील, सब-वे ट्रैक डूबे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वाशिंगटन

अमेरिका में चक्रवाती तूफान इडा ने तबाही मचा दी है। चार दिन पहले अमेरिकी शहर लुइसियाना से टकराने के बाद यह न्यूयॉर्क, न्यूजर्सी, फिलाडेल्फिया और पेंसिल्वेनिया समेत उत्तरी अमेरिकी राज्यों तक पहुंच गया है। देश में करीब 6 करोड़ लोग बाढ़ से जूझ रहे हैं, जबकि 3 लाख घरों की बिजली गुल है।

न्यूयॉर्क में बुधवार रात में 8 इंच बारिश:- सबसे ज्यादा असर न्यूयॉर्क पर पड़ा है। मौसम विज्ञानियों का कहना है कि न्यूयॉर्क में यह बारिश पिछले 400 साल की सबसे भीषण बारिश हो सकती है। वहां बुधवार को एक घंटे में 3.5 इंच और रातभर में करीब 8 इंच बारिश दर्ज की गई। इसे लेकर न्यूयॉर्क के इतिहास में पहली बार आपातकाल लगा दिया गया है। न्यूयॉर्क सिटी के ज्यादातर सब-वे में पानी भर गया है। मेट्रो बंद हैं। एमटीएस बस रूट पूरी तरह ठप हो गया है। सड़कों पर कारें डूब गई हैं। सैकड़ों उड़ानें रद्द कर दी गई हैं।

रतन टाटा ने कहा- शराब बिक्री को आधार से लिंक करने का बयान मेरा नहीं, ये सब फेक न्यूज़ है

नई दिल्ली। बिजनेसमैन रतन टाटा ने आधार कार्ड के जरिए शराब बेचने की बात कहने के दावे को फर्जी बताया है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर साफ शब्दों में लिखा कि यह मैंने नहीं कहा है। धन्यवाद। इस फर्जी कोट में टाटा के हवाले से कहा गया कि शराब खरीदारों के लिए सरकारी फूड सब्सिडी बंद की जानी चाहिए। जो शराब खरीद सकते हैं, वे निश्चित रूप से भोजन भी खरीद सकते हैं। जब हम उन्हें मुफ्त भोजन देते हैं, तो वे शराब खरीदते हैं।

पहली बार सेंसेक्स 58100 और निफ्टी 17300 के पार बंद

नई दिल्ली। हफ्ते के आखिरी दिन यानी शुक्रवार को बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिला। सेंसेक्स 277 पॉइंट चढ़कर 58,130 पर और निफ्टी 89 पॉइंट की बढ़त के साथ 17,323 रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 58,194 का और निफ्टी ने 17,340 का नया रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले सेंसेक्स 57,983 और निफ्टी 17,299 पर खुला था। सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयर्स तेजी के साथ जबकि 11 शेयर्स कमजोरी के साथ बंद हुए।

न्यूजीलैंड में आतंकी हमला

आईएसआईएस के जिहादी ने चाकूबाजी करके 6 लोगों को घायल किया

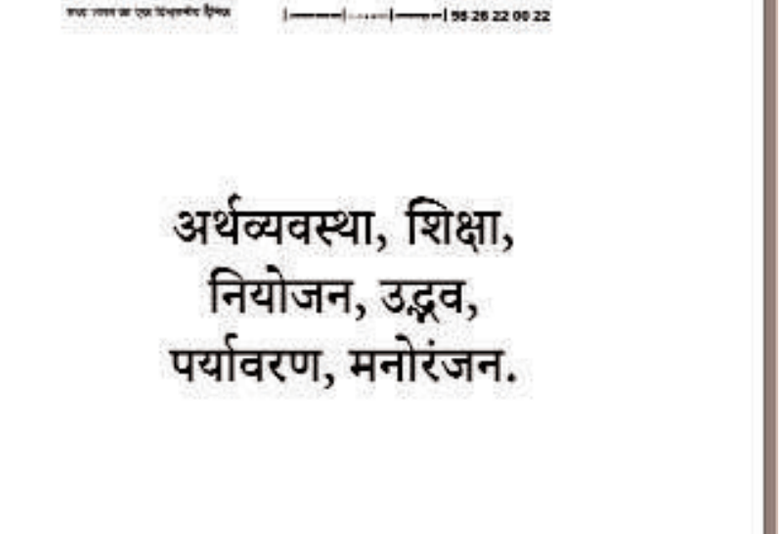

पुलिस ने हमलावर को मार गिराया

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज वेलिंगटन

न्यूजीलैंड में ऑकलैंड के काउंटडाउन सुपरमार्केट में शुक्रवार को एक हमलावर ने चाकूबाजी करके 6 लोगों को घायल कर दिया। पुलिस ने हमलावर को मौके पर ही मार गिराया। न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने न्यू लिन कस्बे में हुई इस वारदात को आतंकी हमला करार दिया। उन्होंने कहा कि हमलावर आतंकवादी संगठन ढ्ढस्ढ्ढस् से प्रेरित था। इससे पहले पुलिस अधिकारियों ने इसे रैंडम अटैक बताया था। उन्होंने आतंकी घटना मानने से इनकार कर दिया था। PM अर्डर्न ने कहा कि आज जो हुआ, वह नफरत भरा है। यह नहीं होना चाहिए था। हमलावर को श्रीलंकाई नागरिक बताते हुए उन्होंने कहा कि वह 2011 में न्यूजीलैंड आया था। उन्होंने बताया कि यह वारदात दोपहर 2:40 बजे हुई। ऑफिसर्स ने एक मिनट के अंदर ही हमलावर को ढेर कर दिया। मॉल के अंदर चाकूबाजी कर रहे हमलावर को मार गिराने के लिए पुलिस ने फायरिंग की। गोली चलने की आवाज सुनकर लोग इधर-उधर भागने लगे। मॉल के अंदर चाकूबाजी कर रहे हमलावर को मार गिराने के लिए पुलिस ने फायरिंग की।

तीन घायलों की हालत गंभीर

सेंट जॉन एंबुलेंस सर्विस ने बताया कि 6 घायलों को अस्पताल ले जाया गया। इनमें से तीन की हालत गंभीर बनी है। चश्मदीदों ने का कहना है कि हमलावर चाकू दिखाते हुए मॉल के अंदर आया और फिर उसने लोगों पर अटैक करना शुरू कर दिया। कोरोना वायरस के खतरनाक डेल्टा वेरिएंट की वजह से ऑकलैंड में अभी लॉकडाउन लागू है। इसके चलते यहां ज्यादा लोग नहीं थे। हमलावर ने जैसे ही लोगों पर चाकू से हमला करना शुरू किया, मॉल में भगदड़ मच गई। लोग चीखने-चिल्लाने लगे। हमलावर ने जैसे ही लोगों पर चाकू से हमला करना शुरू किया, मॉल में भगदड़ मच गई। लोग चीखने-चिल्लाने लगे।

दैनिक इंटीग्रेटेड ट्रेड

डेवलपमेंट सेंटर न्यूज

अर्थव्यवस्था, शिक्षा, नियोजन, उद्भव, पर्यावरण, मनोरंजन.

आपकी बात आपके साथ

जिले में टीम भावना से कानून व्यवस्था प्रबंधन कार्य सराहनीय : गृह मंत्री डॉ. मिश्रा

गृह मंत्री ने बुरहानपुर में की कानून व्यवस्था की समीक्षा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

गृह मंत्री डॉ.नरोत्तम मिश्रा ने कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए बुरहानपुर में टीम भावना से किए जा रहे कार्यो की सराहना की। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा बुरहानपुर के कोतवाली थाना स्थित पुलिस कन्ट्रोल रूम में बैठक कर समीक्षा कर रहे थे। गृह मंत्री डॉ. मिश्रा ने बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपराधियों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाए। विवेचना का कार्य तेजी से सुनिश्चित किया जा कर शीघ्रता से अपराधियों को सजा दिलाए जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि महिलाओं के प्रति घटित होने वाले अपराधों में कमी लाया जाना निहायत ही जरूरी है, इसमें किसी प्रकार की कोताही नहीं बरती जाए।

डॉ. मिश्रा ने एफ आई आर- आपके द्वार और ई -एफ आई आर पर चर्चा करते हुए जिले में क्रियान्वयन बेहतर करने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री राहुल कुमार लोढा ने जिले में कानून व्यवस्था के संबंध में की गई कार्यवाहियाँ एवं विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में अवगत कराया।

डॉ. मिश्रा ने अटल स्मृति स्थल पर पुष्पांजलि अर्पित की

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने बुरहानपुर में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेई की स्मृति में बनाए गए अटल स्मृति स्थल पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व मंत्री श्रीमती अर्चना चिटनीस व अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

डॉ. मिश्रा ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष स्व.पटेल के परिजनों से की मुलाकात: - गृह मंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा बुरहानपुर प्रवास के दौरान सांसद व भारतीय जनता पार्टी के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री नंदकिशोर सिंह चौहान के निवास पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात की। डॉ. मिश्रा ने

सागर जिले में बनेगा बुन्देलखण्ड अंचल का वन्य जीव अभयारण्य

राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की बैठक में दी गई सैद्यांतिक मंजूरी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्यप्रदेश के सागर जिले में नया वन्य जीव अभयारण्य बनेगा। बुन्देलखण्ड अंचल के प्रकृति और वन्य जीव प्रेमियों के लिए यह अनूठा उपहार होगा। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में राज्य वन्य प्राणी बोर्ड की विगत दिनों हुई बैठक में इस आशय के प्रस्ताव को सैद्यांतिक स्वीकृति दी गई है। उल्लेखनीय है कि वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह द्वारा वन्य जीव संरक्षण के प्रयासों को विस्तार देते हुए प्रदेश के आरक्षित वन क्षेत्रों में 10 नवीन अभयारण्य बनाए जाने के निर्देश के पालन में वन विभाग ने यह महत्वपूर्ण पहल की है। विभाग द्वारा उत्तर सागर वन मण्डल का 25 हजार 864 हेक्टेयर (25864 वर्ग कि.मी.) क्षेत्र अभयारण्य के लिए चुना गया है। इसका मुख्यालय सागर और नाम डॉ. भीमराव अम्बेडकर अभयारण्य उत्तर सागर होगा। प्रस्तावित अभयारण्य के 5 कि.मी. की परिधि में 88 ग्राम है जिनकी निस्तार व्यवस्था वनों पर आश्रित है। अभयारण्य क्षेत्र में 98.202 घन मीटर इमारती एवं 236 घनमीटर जलाऊ काष्ठ की अनुमानित राशि वार्षिक क्रमशः 42 लाख एवं 4.96 लाख रूपये प्रभावित होना आँकी गई है। अभयारण्य के लिए 42 अधिकारी-कर्मचारियों की तैनाती होगी। इनमें एक उप वन मंडल अधिकारी के अलावा वनक्षेत्रपाल, वनपाल और वन रक्षक के 41 पद प्रस्तावित किए गए हैं। अमले पर वार्षिक अनुमानित व्यय रूपये एक करोड़ 48 लाख आएगा।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश ऊर्जा सरंक्षण भवन संहिता क्रियान्वयन समिति गठित

राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता क्रियान्वयन समिति गठित की है। समिति में अपर मुख्य सचिव/प्रमुख सचिव नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा, नगरीय विकास एवं आवास, लोक निर्माण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, पर्यावरण, संचालक नगर तथा ग्राम निवेश, परियोजना निदेशक या मुख्य अभियंता, मुख्य वास्तुविद लोक निर्माण, सचिव मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग, प्रत्येक विद्युत वितरण कम्पनी से एक प्रतिनिधि, ऊर्जा कार्यकुशलता ब्यूरो भारत सरकार, विद्युत मंत्रालय के प्रतिनिधि, चयनित तीन तकनीकी विशेषज्ञ सदस्य होंगे। प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड समिति के सदस्य सचिव होंगे। समिति वाणिज्यिक भवनों एवं प्रतिष्ठानों में ऊर्जा दक्षता व ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए भवन के विभिन्न घटकों, प्रणालियों में मापदण्डों के अनुकूलन से ऊर्जा दक्षता मानकों को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन करेगी। समिति द्वारा मुख्यतः ऊर्जा निष्पादन सूचकांक, क्षेत्रवार गर्म और शुष्क क्षेत्र, मिश्रित क्षेत्र के वर्गीकरण के लिए राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण भवन संहिता क्रियान्वयन समिति की सहायता के लिए ऊर्जा दक्षता ब्यूरो नई दिल्ली को सुझाव देना, विभागों, संस्थानो, भवन स्वामी एवं अन्य के निर्धारित उत्तरदायित्व के लिए शुल्क संरचना एवं वित्तीय व्यवस्था की संरचना लागू करना का कार्य किया जायेगा।

कानून से ऊपर कोई नहीं : मंत्री डॉ. मिश्रा

गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने पुलिस कंट्रोल रूम खंडवा में जिले की कानून-व्यवस्था की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ की स्थिति में कोई समझौता नहीं किया जाए। कानून का उल्लंघन करने वालों से सख्ती से निपटा जाए। कानून से बढ़कर कोई नहीं है। गृह मंत्री डॉ.मिश्रा ने अधिकारियों से जिले की जानकारी प्राप्त की। पुलिस अधीक्षक श्री विवेक सिंह ने जिले की 3 वर्षों की उपलब्धि से अवगत कराया। बैठक में खण्डवा विधायक श्री देवेन्द्र वर्मा, पंधाना विधायक श्री राम दांगोरे, मांधाता विधायक श्री नारायण पटेल, आई जी श्री हरिनारायणचारी मिश्र, डीआईजी श्री तिलक सिंह सहित अन्य पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौजूद थे।

न्यूज ब्रीफ

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने रजत पदक जीतने पर श्री प्रवीण कुमार को दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने टोक्यो पैरा ओलिंपिक में ऊँची कूद में रजत पदक जीतने पर श्री प्रवीण कुमार को हार्दिक बधाई दी हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने ट्वीट किया है कि श्री प्रवीण कुमार के इस प्रदर्शन से देश गौरान्वित हुआ है। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने श्री प्रवीण कुमार भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

मुख्यमंत्री ने शोकाकुल परिवार से भेंटकर शोक संवेदनाएँ व्यक्त की

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज सपत्नीक विदिशा प्रवास के दौरान पूर्व विधायक स्व. श्री मोहर सिंह ठाकुर, पूर्व विधायक स्व. श्री कल्याण सिंह ठाकुर सहित एडवोकेट स्व. श्री दातार सिंह लोधी, स्व. श्री सुरेश चन्द्र जैन और स्व. श्री अशोक बैतूले के निवास पर पहुँचकर शोकाकुल परिवार से भेंट कर शोक संवेदनाएँ व्यक्त की।

आयें, गणेश प्रतिमा बनायें, निःशुल्क घर ले जायें

भोपाल। ग्रीन गणेश अभियान के तहत एप्को द्वारा जन-सामान्य के लिए 4 से 8 सितम्बर 2021 तक प्रतिदिन दोपहर 3 से शाम 6 बजे तक पर्यावरण परिसरई- 5 अरेरा कालोनी भोपाल में गणेश प्रतिमा निर्माण का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर में प्रतिभागियों को मिट्टी उपलब्ध करवाई जाएगी और वे अपने हाथों से गणेश प्रतिमा का निर्माण कर सकेंगे। प्रतिभागी प्रशिक्षकों की सहायता से निर्मित प्रतिमाओं को अपने साथ निःशुल्क घर ले जा सकेंगे। शिविर में गणेश प्रतिमा को प्राकृतिक रंगों से सजावट की तकनीक भी सिखाई जाएगी। प्रतिभागी अगामी गणेश चतुर्थी पर पूजन के बाद प्रतिमा का विसर्जन घर पर ही कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि देश-प्रदेश में गणेश उत्सव हर साल धूम-धाम से मनाया जाता है। पिछले कई सालों से मिट्टी की मूर्तियों के स्थान पर पीओपी की बनी मूर्तियों की स्थापना का प्रचलन हो गया है। पीओपी मूर्तियों के विसर्जन से नदी, तालाबों आदि का जल विषाक्त होता है। इससे पर्यावरणीय समस्याओं के साथ जलीय जीव-जन्तुओं के जीवन पर भी संकट उत्पन हो जाता है।

उपभोक्ता संतुष्टि पर ध्यान दें

प्रबंध संचालक द्वारा मैदानी स्तर पर विद्युत वितरण व्यवस्था की समीक्षा

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कहा कि राजस्व संग्रह के साथ उपभोक्ता संतुष्टि पर भी ध्यान दिया जाए। उपभोक्ताओं की बिल संबंधी या अन्य शिकायतों का निराकरण तत्काल सुनिश्चित करें। जन-प्रतिनिधियों से सतत् संवाद रखा जाए। जिला प्रशासन के अधिकारियों को विश्वास में लेकर बिजली आपूर्ति और वितरण व्यवस्था को मजबूत बनाने के काम में निरंतरता बनाई रखी जाए। उन्होंने कहा कि नये कनेक्शन प्रदान करने में विलंब नहीं होना चाहिए। प्रबंध संचालक ने कहा कि नये कनेक्शन का ऑनलाइन आवेदन रजिस्टर होने की तिथि से सर्वे, इनवाइस जारी करने और उपभोक्ताओं की समस्त औपचारिकताएँ पूर्ण होते ही तुरंत कनेक्शन दिया जाए। दीपावली आ रही है लोग नये-नये मकान बनाते हैं और कनेक्शन के लिए आवेदन करते हैं। त्यौहारों के इस सीजन में नये कनेक्शन तत्काल सुनिश्चित करें। यह बात नर्मदापुरम्, ग्वालियर एवं चंबल संभाग की समीक्षा बैठक में प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने कही।

बेहतर राजस्व संग्रह पर दिये प्रशस्ति -पत्र

प्रबंध संचालक ने बीते अगस्त माह में रिकार्ड राजस्व संग्रह के लिए अधिकारी और कर्मचारियों की सराहना की और मुख्य महाप्रबंधक एवं महाप्रबंधकों को प्रशस्ति-पत्र वितरित किये। उन्होंने राजस्व वसूली के लिए एडवांस प्लानिंग करने को कहा जिससे माँग के अनुरूप प्रतिदिन राजस्व संग्रह किया जाएगा तो माह के अन्य दिनों में वितरण क्षेत्र के अन्य कार्य भी सुगमता से किये जा सकेंगे। प्रबंध संचालक ने मीटर रीडरों के काम पर निगरानी रखने के और प्रतिमाह मीटर रीडरों द्वारा ली गई मीटर रीडिंग की फोटो का सत्यापन सुनिश्चित किया जाए, जिससे शिकायतें अपने आप कम हो जाएंगी। प्रबंध संचालक श्री मिश्रा ने कहा कि विक्रित यूनिट बढ़ाने के लिए कार्य-योजना तैयार करें और उसे अमल में लाएँ। उन्होंने गैर घरेलू कनेक्शनों में भार वृद्धि के लिए चालू माह में कम से कम 15 दिन चेकिंग अभियान चलाये जाने की जरूरत बताई और कहा कि आवर्ती राजस्व वृद्धि का यह एक उत्तम उपाय साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि बकायादार उपभोक्ताओं को यह एहसास होना चाहिए कि बिजली का बिल समय पर जमा करें नहीं तो कनेक्शन कटने की अप्रिय कार्यवाही से बच नहीं पाएंगे। उन्होंने गत माहों में ऐसे नॉन पेयी उपभोक्ताओं की सूची तैयार करने के निर्देश दिए, जो बिजली बिल जमा तो करते हैं लेकिन तीन चार माह में एक बार करते हैं। उन्हें भी यह एहसास कराना होगा कि यदि वे समय पर नियमित बिजली बिल का भुगतान करेंगे तो सरचार्ज के रूप में अधिक राशि का भुगतान नहीं करना होगा।

रबी सीजन की तैयारियों पर जोर

प्रबंध संचालक श्री गणेश शंकर मिश्रा ने निर्देशित किया कि मैदानी स्तर पर खराब तथा जले ट्रांसफार्मरों को तत्काल एरिया स्टोर में जमा करायें ताकि उन्हें समय -सीमा में सुधार कर रबी सीजन में उपयोग किया जा सके। मैदानी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि खराब तथा जले ट्रांसफार्मरों को तत्काल बदला जाए और यह कार्यवाही सितंबर माह के पहले पखवाड़े में पूरी कर ली जाए। उन्होंने ने कहा कि 33/11 के.व्ही. उप केन्द्रों के केपेसिटर बैंक क्रियाशील होना सुनिश्चित किया जाए तथा लाइनों के मेन्टीनेन्स पर विशेष ध्यान दिया जाए। जिन ट्रांसफार्मरों के बारम्बार जलने या खराब होने की घटनाएँ होती हैं उन्हें चिन्हित कर उनका तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से विश्लेषण किया जाए कि ऐसा क्यों हो रहा है। यदि ट्रांसफार्मर ओवरलोडेड हैं तो संयोजित लोड के अनुरूप चेकिंग अभियान चलायें और लोड बेलेंस किया जाए। रबी सीजन में अस्थाई कनेक्शन आसानी से उपलब्ध हो सकें ऐसी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ऑकलित खपत के देयक जारी ही नहीं किये जाएँ। उन्होंने ऐसे स्थानों, कस्बों एवं जिला मुख्यालयों जहाँ ट्रिपिंग ज्यादा है, वहाँ प्रभावी रख-रखाव के निर्देश दिए ताकि ट्रिपिंग न हो और उपभोक्ता संतुष्टि में वृद्धि हो।

मुख्यमंत्री ने स्मार्ट पार्क में किया पौध रोपण

पूर्व मुख्यमंत्री उमाश्री भारती भी रहीं उपस्थित

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज आंवला, बरगद और पुत्रजीवक का पौधा लगाया। स्मार्ट पार्क में हुए पौध रोपण में पूर्व मुख्यमंत्री उमाश्री भारती भी उपस्थित रहीं। मुख्यमंत्री श्री चौहान अपने संकल्प के क्रम में प्रतिदिन पौधा लगाते हैं। आंवला को आयुर्वेद में अमृतफल या धात्रीफल कहा गया है। आंवला शरीर की इम्यूनिटी बढ़ाता है। कई तरह के रोगों के लिए यह औषधि के रूप में काम करता है। बरगद के पेड़ को वट वृक्ष या बड़ भी कहा जाता है। बरगद का धार्मिक महत्व है, साथ ही आयुर्वेद के अनुसार बरगद के पेड़ से कई बीमारियों का इलाज संभव है। पुत्रजीवक का पेड़ पहाड़ी क्षेत्रों में पाया जाता है। इसका वृक्ष हमेशा हरा रहता है और इसके तने में हरे रंग की छाल होती है। इसके फूल पीले हरे रंग के और गुच्छे में होते हैं।

卐आयुष आपके द्वार卐 कार्यक्रम में सांसद सुश्री प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने औषधि पौधो का निःशुल्क वितरण किया।

धान एवं ज्वार-बाजरे के उपार्जन के लिये पंजीयन 15 सितंबर से प्रारंभ होगा : श्री किदवई

धान, ज्वार और बाजरे का समर्थन मूल्य निर्धारित

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज भोपाल

प्रमुख सचिव खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण श्री फैज़ अहमद किदवई ने बताया कि समर्थन मूल्य पर धान एवं ज्वार-बाजरे के उपार्जन के लिये किसानों का पंजीयन 15 सितम्बर से 14 अक्टूबर 2021 तक किया जायेगा। समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिये धान का न्यूनतम मूल्य 1940 रूपये, ज्वार 2738 रूपये एवं बाजरा 2250 रूपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। जिला स्तर पर होने वाला पंजीयन विगत रबी एवं खरीफ की भांति इस वर्ष भी भू-अभिलेख के डाटाबेस के आधार पर किया जायेगा।

पंजीयन का सरलीकरण

श्री किदवई ने बताया कि किसानों को ऑनलाइन पंजीयन की प्रक्रिया को और अधिक सरल किया गया है। किसान अब अपना पंजीयन डाटाएंट्री के अलावा एमपी किसान एप, प्राथमिक कृषि सहकारी साख संस्थाओं एवं विगत खरीफ वर्ष में उपार्जन/पंजीयन करने वाले महिला स्व-सहायता समूह एवं एफपीओ द्वारा संचालित पंजीयन केन्द्र से भी करा सकेंगे। इसके अलावा सिकमीदार एवं वनाधिकार पट्टाधारी अपना पंजीयन समिति/एफपीओ/महिला स्व-सहायता समूह द्वारा संचालित केन्द्रों में ही करा सकेंगे। प्रदेश में 1718 पंजीयन केन्द्र बनाए गए है।

पंजीयन के लिये दस्तावेज

प्रमुख सचिव खाद्य ने बताया कि पंजीकरण के लिये जिन किसानों ने खरीफ एवं रबी के मौसम में ई-उपार्जन पोर्टल पर अपना पंजीयन कराया था, उन्हें पुनः दस्तावेज देने की जरूरत नहीं होगी। किसान द्वारा विगत वर्ष दिये गये आधार कार्ड और बैंक पासबुक के आधार पर पंजीयन किया जा सकेगा। नये पंजीयन हेतु किसानों को यह दस्तावेज प्रस्तुत करने होंगे। वनाधिकार पट्टाधारी/सिकमीदार किसानों को वन पट्टा एवं सिकमी अनुबंध की प्रति उपलब्ध कराना होगी। किसान से उपज के विक्रय के लिये 3 संभावित दिनांक प्राप्त की जायेंगी, जिसे पंजीयन के समय दर्ज किया जायेगा।

सिकमी/बटाईदार किसान

सिकमी एवं बटाईदार श्रेणी के ऐसे किसान उपार्जन के लिये आवेदन कर सकेंगे, जिनके पास कुल रकबा 5 हेक्टेयर से अधिक नहीं होगा। ऐसे किसानों के अनुबंध की एक प्रति पंजीयन कराने वाले व्यक्ति/कृषक द्वारा संबंधित तहसीलदार को उपलब्ध कराना होगा। पंजीयन के समय सिकमी/बटाईदार के साथ मूल भू-स्वामी के आधार नम्बर की जानकारी भी ली जाएगी। पंजीयन के लिये 15 अगस्त 2021 तक कराये गये अनुबंध ही मान्य होंगे। किसान गिरदावरी में दर्ज भूमि का रकबा एवं बोई गई फसल से संतुष्ट ने होने पर पंजीयन के पूर्व संशोधन हेतु गिरदावरी में दावा-आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

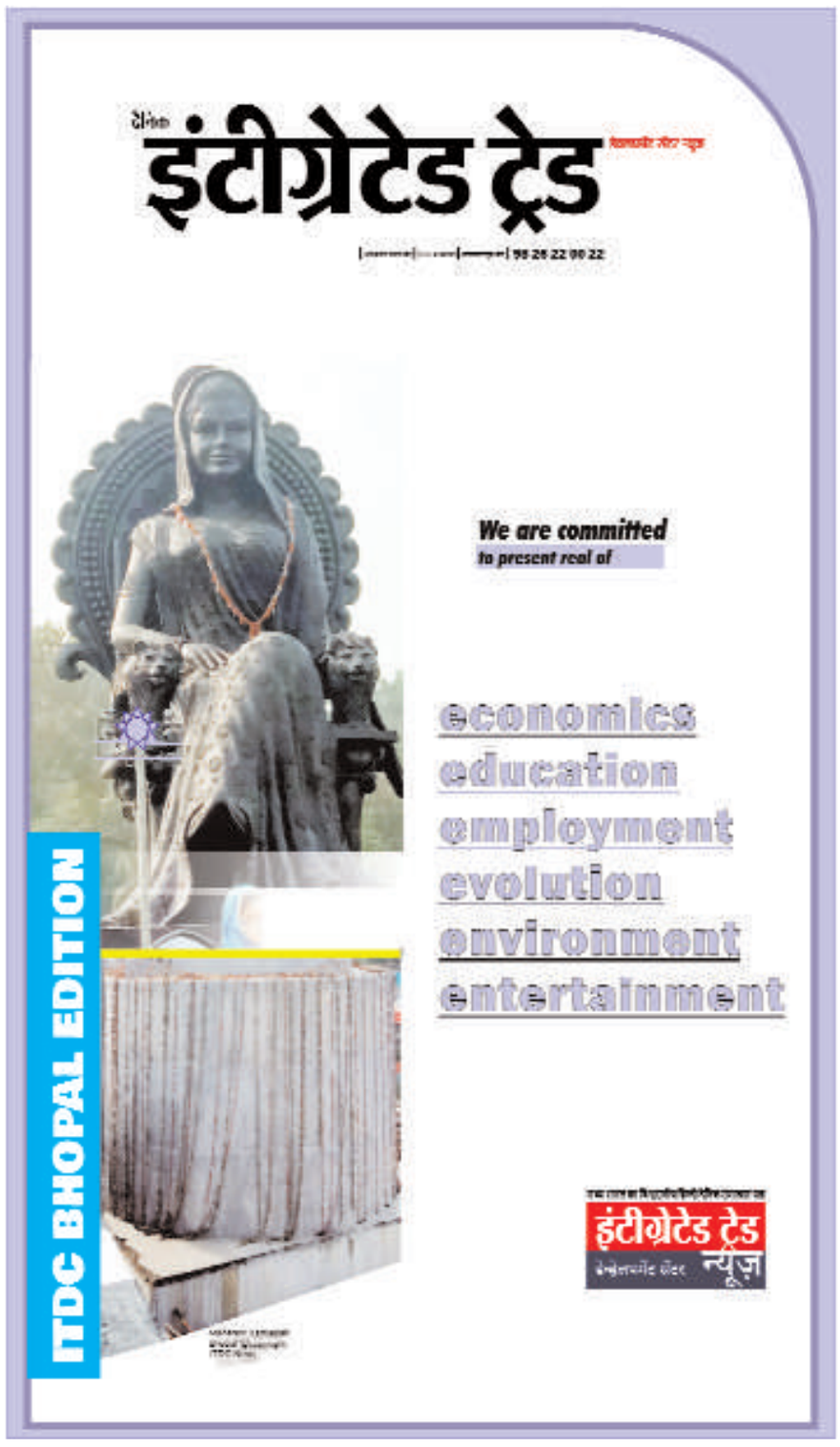

न्यूज ब्रीफ

उड़ान ने पार्ले के खिलाफ सीसीआई में शिकायत की

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स स्टार्टअप उड़ान ने भारत की सबसे बड़ी बिस्कुट विनिर्माता पार्ले प्रॉडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई)में शिकायत दर्ज की है। उड़ान ने शिकायत में आरोप लगाया है कि पार्ले अपनी दबदबे की हैसियत का दुरुपयोग कर रही है और बिना किसी स्पष्ट वजह के उसे अपने रोजमर्रा के उत्पादों की आपूर्ति करने से इनकार कर रही है। पार्ले विश्व में सबसे ज्यादा बिकने वाले बिस्कुट में से एक %पार्ले-जी% की विनिर्माता है, जिसका उसके कुल कारोबार में 50 फीसदी से ज्यादा योगदान है। पार्ले का भारत में ग्लूकोज बिस्कुट के बाजार में दबदबा है। इसके पार्ले-जी बिस्कुट का स्टॉक करना छोटे एवं मझोले दुकानदारों और उड़ान जैसे प्लेटफॉर्म के लिए बहुत जरूरी होता है। उड़ान ने कहा है कि इस वजह से उसे खुले बाजार से पार्ले के उत्पाद खरीदने पड़ रहे हैं। इससे वह पार्ले के उन अन्य मौजूदा वितरकों से प्रतिस्पर्धा में पिछड़ रही है, जो पार्ले से सीधे बिस्कुट खरीद सकते हैं। इससे उड़ान की प्रतिस्पर्धी क्षमता घटी है और लागत बढ़ी है। इससे उड़ान से उत्पाद खरीदने वाले छोटे दुकानदारों की तादाद भी घट रही है। शिकायत में कहा गया है कि पार्ले का उड़ान को पार्ले-जी एसकेयू की आपूर्ति करने से लगातार इनकार करना साफ तौर पर सौदे से इनकार का मामला है और और इस तरह अधिनियम की धारा 4(2) के तहत दबदबे का दुरुपयोग है। इस शिकायत को बिज़नेस स्टैंडर्ड ने भी देखा है। इस बारे में पार्ले को भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला। उड़ान के प्रवक्ता ने इस घटनाक्रम पर कोई टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। उड़ान ने शिकायत में आरोप लगाया कि पार्ले का चुनिंदा वितरकों के साथ समझौते करना और उड़ान के साथ सीधे सौदे करने से इनकार करना तथा उसे खुले बाजार में पार्ले के वितरकों से उत्पाद खरीदने को बाध्य करना जानबूझकर सौदे से इनकार करने का मामला है। यह अधिनियम की धारा 3 (4) के हिसाब से प्रतिस्पर्धा रोधी है, जिसका भारत में प्रतिस्पर्धा पर काफी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।

14 लाख करोड़ के क्लब में RIL और TCS : 5 लाख करोड़ के क्लब में पहली बार 7 कंपनियां, सातों का मार्केट कैप 61.28 लाख करोड़ रुपए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का मार्केट कैप हासिल करने वाली देश में सात कंपनियां बन गई हैं। इन सातों कंपनियों के पास कुल मार्केट कैप का 61.28 लाख करोड़ रुपए है। गुरुवार को दो कंपनियां 5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का मार्केट कैप हासिल करने में सफल रहीं। बाजार की लगातार तेजी से बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का मार्केट कैप गुरुवार को 252.68 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस दौरान कुल सात कंपनियां पांच लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का मार्केट कैप हासिल करने में सफल रहीं। सबसे बड़ी

कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज है। इसका मार्केट कैप 14.54 लाख करोड़ रुपए है। जबकि टाटा कंसलटेंसी सर्विसेस दूसरे नंबर पर है। इसका मार्केट कैप 14.19 लाख करोड़ रुपए है। TCS पहली बार 14 लाख करोड़ रुपए का आंकड़ा पार की है।

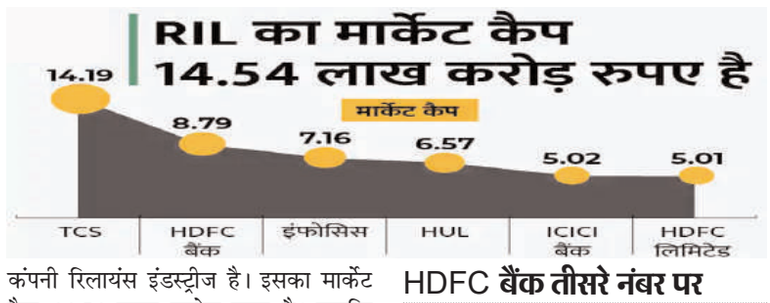

HDFC बैंक तीसरे नंबर पर

तीसरी सबसे बड़ी कंपनी ।।छ्रस्न्रष्ट बैंक है। इसका मार्केट कैप 8.79 लाख करोड़ रुपए है। जबकि इंफोसिस का मार्केट कैप 7.16 लाख करोड़ रुपए है। मार्केट कैप के लिहाज से पहली बार दो बैंक ऐसे हैं जो 5 लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार किए हैं। दूसरा बैंक ICICI बैंक है। इसका मार्केट कैप पहली बार गुरुवार को 5.02 लाख करोड़ रुपए हो गया। मार्केट कैप के लिहाज से यह छठीं सबसे बड़ी कंपनी है। हिंदुस्तान यूनिलीवर का मार्केट कैप 6.57 लाख करोड़ रुपए गुरुवार को था। जबकि HDFC लिमिटेड सातवें नंबर पर है। इसका मार्केट कैप 5.01 लाख करोड़ रुपए हो गया है। टॉप 7 कंपनियों में 2 कंपनी सूचना प्रौद्योगिकी सेक्टर की और 2 बैंकिंग सेक्टर की हैं। एक फास्ट मूविंग कंज्यूमर गुड्स सेक्टर की और एक फाइनेंशियल सेक्टर की कंपनी है। जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज कई सेक्टर में फैली हुई कंपनी है।

BSE का सेंसेक्स पहली बार 57,852 अंक पर पहुंचा

BSE का सेंसेक्स गुरुवार को पहली बार 57,852 अंक पर बंद हुआ। इस वजह से कंपनियों के मार्केट कैप में लगातार तेजी बनी हुई है। रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर 23 सितंबर 2020 को 2,368 रुपए पर था। एक बार फिर से यह उसी लेवल के करीब है। गुरुवार को यह बढ़त के साथ 2,307 रुपए पर बंद हुआ।

मारुति ने 1.81 लाख कार वापस मंगाई

सियाज, अर्टिगा, विटारा ब्रेजा, एस-क्रॉस और XL6 के सेफ्टी फीचर्स में खराबी

मारुति के 5 मॉडल के सेफ्टी फीचर्स में गड़बड़ी

- मारुति सुजुकी इंडिया ने 181,754 कार वापस मंगाई
- सियाज, अर्टिगा, ब्रेजा, एस-क्रॉस, XL6 में खराबी
- मई 2018 से अक्टूबर 2020 के बीच तैयार हुई कार
- चेसिस नंबर से ग्राहक खराबी का पता लगा पाएंगे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने अपने पैसेंजर व्हीकल सेगमेंट की हजारों गाड़ियां वापस मंगाई हैं। कंपनी ने कहा है कि इन गाड़ियों के सेफ्टी फीचर्स में कुछ खराबी है। जिन मॉडल को वापस मंगाया जा रहा है उसमें सियाज, अर्टिगा, विटारा ब्रेजा, एस-क्रॉस और ङ्गरु६ शामिल हैं। मारुति ने इन 5 मॉडल की कुल 181,754 कार वापस मंगाई है। इन सभी कारों की मैन्युफैक्चरिंग 4 मई, 2018 से 27 अक्टूबर, 2020 के बीच हुई है।

कंपनी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में कहा कि ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए मारुति सुजुकी ने मोटर जेनरेटर यूनिट के निरीक्षण के लिए प्रभावित वाहनों को स्वेच्छा से मुफ्त में वापस बुलाने का फैसला किया है। प्रभावित वाहन मालिकों को मारुति सुजुकी के ऑथराइज्ड वर्कशॉप पर कम्युनिकेट कर सकते हैं।

नवंबर 2021 के पहले सप्ताह में शुरू होगी प्रोसेस

यदि कार के सेफ्टी फीचर्स में किसी तरह की खराबी पाई जाती है तब उसने प्रभावित हिस्से को बदलने का काम नवंबर 2021 के पहले सप्ताह से शुरू हो जाएगा। कंपनी ने ग्राहकों से अनुरोध किया है कि वे जलभराव वाले क्षेत्रों में गाड़ी चलाने से बचें और गाड़ी के इलेक्ट्रिकल/इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स पर सीधे पानी का छिड़काव करें।

कंपनी के वेबसाइट पर चेसिस नंबर से चक करें

जिन ग्राहकों ने अर्टिगा और विटारा ब्रेजा ली है वे कंपनी की वेबसाइट www.marutisuzuki.com पर और जिन ग्राहकों ने सियाज, XL6 और एस-क्रॉस ली है वे www.ne&ae&perience.com पर जा सकते हैं। यहां पर ÒImp Customer InfoÓ सेक्शन के अंदर गाड़ी का चेसिस नंबर डालकर भी चेक कर सकते हैं। गाड़ी का चेसिस नंबर रजिस्ट्रेशन कार्ड पर लिखा होता है। इसके साथ, कार की आईडी प्लेट पर भी लिखा होता है। गाड़ी के जरूरी डॉक्युमेंट्स पर भी चेसिस नंबर होता है।

मारुति के प्रोडक्शन पर भी असर होगा

महिंद्रा एंड महिंद्रा से पहले मारुति सुजुकी भी सेमीकंडक्टर की वजह से प्रोडक्शन में कटौती का अनाउंस कर चुकी है। मारुति ने कहा कि हरियाणा और गुजरात दोनों में कुल प्रोडक्शन का 40 फीसदी आउटपुट कम हो सकता है। कोरोना ने जब अपने पैर पसारना शुरू किए थे उसके बाद से ही सेमीकंडक्टर की कमी शुरू हो गई थी। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने बीते महीने कुल 1.30 लाख गाड़ियां बेचीं। ये पिछले साल अगस्त के मुकाबले 4.8 फीसदी ज्यादा है। अगस्त 2020 में कंपनी ने 1.24 लाख गाड़ियां बेची थीं।

क्रिप्टोकरेंसी को नहीं मिलेगा करेंसी का दर्जा

प्राइवेट वर्चुअल करेंसी के रेगुलेशन की तैयारी

- क्रिप्टोकरेंसी के जरिए पेमेंट और सौदे के निपटारे की मनाही मुमकिन
- ट्रेडिंग पर सिक्योरिटी ट्रांजैक्शन टैक्स (STT) जैसा टैक्स लगना संभव

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

क्रिप्टोकरेंसी का इस्तेमाल आप पेमेंट, इनवेस्टमेंट या यूटिलिटी, जिस तरह से भी करते हों, सरकार इसे एसेट/कमोडिटी की कैटेगरी में डाल सकती है। प्राइवेट वर्चुअल करेंसी क्या है, इसे कानूनन क्या माना जाना जाए और इस पर किस हिसाब से टैक्स लगे, इन सब बातों को साफ करने के लिए वह एक कानून बना सकती है। अगर वह इसे कमोडिटी करार देती है तो इससे मिलनेवाले प्रॉफिट पर निवेशकों को नॉर्मल इनकम टैक्स रेट देना पड़ सकता है।

परिभाषा के लिए कानून का मसौदा तैयार कर रही सरकार: - जानकारों के मुताबिक सरकार क्रिप्टोकरेंसी की परिभाषा देने के लिए एक कानून का मसौदा तैयार कर रही है। जानकारों का कहना है कि क्रिप्टोकरेंसी की परिभाषा इस हिसाब से की जा सकती है कि वह किस टेक्नोलॉजी पर आधारित है या फिर इसका इस्तेमाल किस तरह हो रहा है। सरकार का मानना है कि सही वर्गीकरण होने से इस पर वाजिब हिसाब से टैक्स लगाया जा सकेगा। उनका यह भी कहना है कि इसके जरिए पेमेंट और सौदों के निपटारों की मनाही हो सकती है।

करेंसी नहीं, डिजिटल एसेट मानने का क्रिप्टो एक्सचेंजों का सुझाव:- सरकार के सामने फिलहाल सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि क्रिप्टोकरेंसी को क्या मानकर इस पर टैक्स लगाए, इसको करेंसी, कमोडिटी या इक्विटी शेयर जैसा एसेट माने या सर्विस की तरह ले। इसलिए इसके टैक्सेक्शन और रेगुलेशन पर स्थिति साफ करने के लिए सरकार सबसे पहले इसको परिभाषित करेगी।

रिकॉर्ड हाई पर बाजार हुआ बंद

पहली बार सेंसेक्स 58100 और निफ्टी 17300 के पार बंद; ऑटो और मेटल शेयर चमके

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

हफ्ते के आखिरी दिन यानी शुक्रवार को बाजार में उतार-चढ़ाव देखने को मिली। सेंसेक्स 277 पॉइंट चढ़कर 58,130 पर और निफ्टी 89 पॉइंट की बढ़त के साथ 17,323 रिकॉर्ड ऊंचाई पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 58,194 का और निफ्टी ने 17,340 का नया रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले सेंसेक्स 57,983 और निफ्टी 17,299 पर खुला था। सेंसेक्स के 30 में से 19 शेयर्स तेजी के साथ जबकि 11 शेयर्स कमजोरी के साथ बंद हुए। जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयर 4.12 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुए। वहीं भारती एयरटेल के शेयर में 1.20 फीसदी की गिरावट रही।

BSE पर 1,730 शेयर्स बढ़त के साथ बंद:- BSE पर 3,338 शेयर्स में कारोबार हुआ। जिसमें 1,730 शेयर्स बढ़त के साथ और 1,464 शेयर्स लाल निशान पर बंद हुए। इसी के साथ क्चस्श्व पर लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 254 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। इससे पहले गुरुवार को सेंसेक्स 514 पॉइंट चढ़कर 57,852 पर और निफ्टी 158 पॉइंट की बढ़त के साथ 17,234 पर बंद हुआ था। BSE पर कारोबार के दौरान 225 शेयर्स 52 हफ्ते के ऊपरी स्तर पर और 16 शेयर्स 52 हफ्ते के निचले स्तर पर कारोबार करते दिखे। इसके अलावा 335 शेयर्स में अपर सर्किट लगा तो वहीं 176 शेयर्स में लोअर सर्किट लगा

ऑटो और मेटल शेयर्स ने बाजार में उड़ान भरी

NSE पर ऑटो इंडेक्स 1.02 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। इंडेक्स में एक्साइड इंडस्ट्रीज के शेयर में 5 फीसदी की तेजी रही। वहीं मेटल इंडेक्स 1.17 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। इंडेक्स में नेशनल एल्युमिनियम के शेयर 4.69 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए।

सड़क मुद्रीकरण के लिए नया मॉडल!

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

केंद्र सरकार ऐसा मॉडल अपना सकती है, जिसमें सड़क मुद्रीकरण परियोजनाओं में एंकर निवेशकों को 25 फीसदी हिस्सेदारी रखनी होगी और परियोजना को चलाने के लिए बनाई जाने वाली विशेष उद्देश्यीय इकाई (एसपीवी) के प्रबंधन बोर्ड में शामिल रहना होगा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने यह प्रस्ताव तैयार कर लिया है। इन दोनों से कुछ निवेशकों ने संपर्क कर कहा था कि संपत्तियों के मुद्रीकरण के लिए बनाई जाने वाली एसपीवी में उन्हें एक बोर्ड सीट दी जानी चाहिए। सड़क मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बिज़नेस स्टैंडर्ड से कहा, %वे एक बोर्ड सीट चाहते थे, इसलिए अगर वे अपने साथ 25 फीसदी इक्विटी लाते हैं तो हमें उससे कोई समस्या नहीं है। कनाडाई पेंशन फंड, अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी जैसे वैश्विक निवेशकों और नैशनल इन्वेस्टमेंट ऐंड इन्फ्रास्ट्रक्चर फंड (एनआईआईएफ) ने भी भारत के बुनियादी ढांचा क्षेत्र में रुचि दिखाई है। ट्रांसपोर्ट ऐंड लॉजिस्टिक्स में निदेशक एवं प्रैक्टिस लीडर जगन्नारायण पद्मनाभन ने कहा, %यह प्रस्ताव अपने आप में अजीब नहीं हो सकता। उदार पहलुओं जैसे निष्पक्षता एवं सभी निवेशकों की पहुंच को बनाए रखना, मूल निवेशकों की निर्धारित सीमा पर अपने निवेश को बनाए रखने की क्षमता ऐसे पहलू हैं, जिन्हें ध्यान में रखा जाना चाहिए।

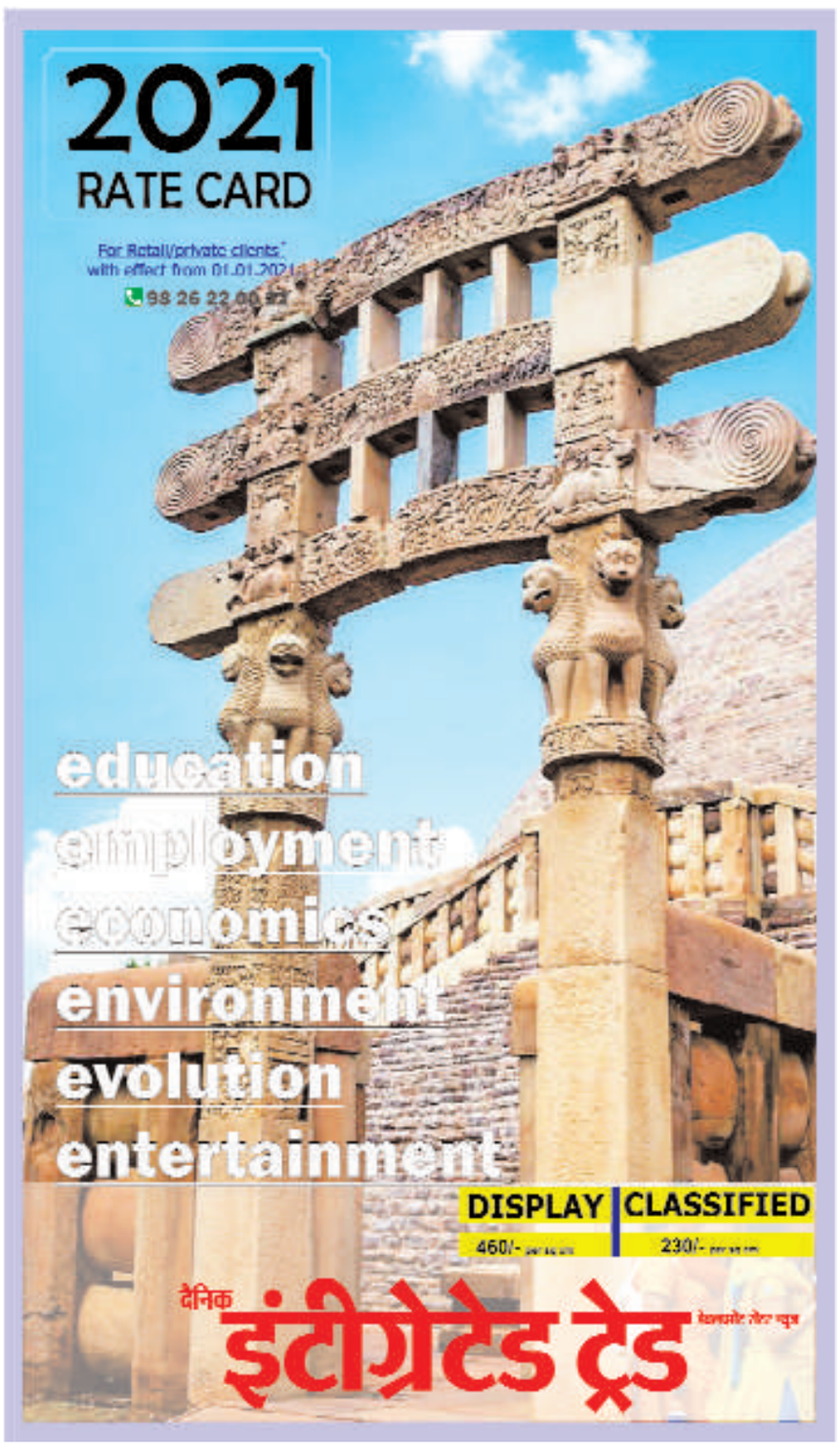

ट्विटर आजमा रही सेफ्टी मोड विकल्प

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज मुंबई

ट्विटर अपने उपयोगकर्ताओं (ट्विटर) के लिए %सेफ्टी मोड% नाम से एक नया सुरक्षा विकल्प आजमा रही है। इस विकल्प का इस्तेमाल कर उपयोगकर्ता अपमानजक संदेश या प्रतिक्रिया भेजने वाले लोगों के अकाउंट सात दिन के लिए अस्थायी तौर पर ब्लॉक कर सकते हैं। उपयोगकर्ता बेजा एवं अनावश्यक बहस से बचने के लिए यह विकल्प आजमा सकते हैं। %सेफ्टी मोड% का इस्तेमाल कर उपयोगकर्ता आपत्तिजनक संदेश भेजने वाले अकाउंट सात दिन के लिए ब्लॉक कर सकते हैं। इस बारे में ट्विटर में वरिष्ठ उत्पाद प्रबंधक जैरॉड डॉर्टी ने बुधवार को कहा, %हम %सेफ्टी मोड% नाम से एक नए विकल्प की शुरुआत कर रहे हैं। शुरू में आईओएस, ऐंड्रॉयड और ट्विटर डॉट कॉम पर कुछ उपयोगकर्ताओं को यह विकल्प दिया जाएगा। पहले वे लोग इसका इस्तेमाल कर पाएंगे जिन्होंने अपने अकाउंट में सेटिंग्स में अंग्रेजी भाषा सक्रिय कर रखी है। उन्होंने कहा कि जब %सेफ्टी मोड% सुविधा सक्रिय की जाती है तो हमारा तंत्र ट्वीट लिखने वाले और इस पर जवाब देने वाले पक्षों के बीच होने वाले संवाद की सामग्री और उनके बीच संबंधों पर विचार करते हुए संभावित प्रतिक्रियाओं का अंदाजा लगा लेता है। डॉर्टी ने कहा, %हमारी तकनीक मौजूदा संबंधों का ध्यान रखती है, इसलिए जिन लोगों को आप फॉलो करते हैं या उनके साथ अक्सर ट्विटर पर आप संवाद करते हैं उनके अकाउंट स्वत- बंद नहीं होंगे। इसका मतलब यह हुआ कि ट्विटर की तकनीक जिन ट्वीट को हानिकारक एवं घृणा फैलाने वाला मानेगी वे स्वत- ही ब्लॉक हो जाएंगे। ऐसे लोग अस्थायी तौर पर किसी व्यक्ति को फॉलो नहीं कर पाएंगे और उनके ट्वीट नहीं देख पाएंगे एवं डाइरेक्ट मेसेज भी नहीं भेज पाएंगे। यह विकल्प तैयार करने के लिए ट्विटर ने अपने ऑनलाइन सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य और ट्रस्ट एवं सेफ्टी काउंसिल के सदस्यों सहित मानव अधिकार विशेषज्ञों से परामर्श किया है।

जलभराव : शहरों-कस्बों में थोड़ी बारिश में ही बिगड़ जाते हैं हालात

- आलोक शुक्ला

शहरों-कस्बों के आसपास पहले खेती की जमीनें होती थीं। छोटे-बड़े तालाब होते थे। इनकी संख्या अब घट गई है और अतिक्रमण के कारण दिन-प्रति दिन इनका क्षेत्रफल घट रहा है। जल संग्रहण करने वाली जगहों का अस्तित्व मिटा दिया जाएगा तो पानी आखिर जाएगा कहां? यह याद रखना होगा कि पानी अपना रास्ता खुद ढूंढ लेता है। बारिश का मौसम बड़ा ही खुशनुमा होता है। इसे सृजन का मौसम भी कहते हैं क्योंकि यह अनेक कीटकों एवं पशु-पक्षियों का प्रजनन काल है। बारिश धरती की प्यास बुझती है। किसान खेती-बाड़ी के कामों में लग जाते हैं। धरती हरियाली की चादर ओढ़ लेती है। जब बारिश अपने पूरे जोर पर होती है तो महानगरों से लेकर बड़े-छोटे शहरों और बड़े कस्बों के लोग जलभराव की मुसीबत का सामना करने लगे हैं। लोग बरसात खत्म होते तक जलभराव से परेशान रहते हैं। जलमग्न शहर, पानी में डूबी रेल पटरियां, ठप पड़ा सड़क यातायात और महानगरों व बड़े-बड़े शहरों में कई फुट तक पानी में डूबी सड़कों का मंजर आम हो गया है। दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता जैसे महानगरों के अलावा पटना, अंबाला, अहमदाबाद, सूरत, कानपुर, भोपाल, नागपुर, रायपुर जैसे कई शहर कुछ ही घंटों की बारिश से ही जगह-जगह जलभराव की समस्या से जूझते नज़र आते हैं। यदि यह बारिश लगातार दो-तीन दिन जारी रही तो जानमाल की भारी हानि के कारण हाहाकार मच जाता है। सबसे बदहाल स्थिति इन शहरों के निचले हिस्से में रहने वाले लोगों की होती है। निकासी न होने के कारण पूरे शहर का पानी जब बहता हुआ निचली बस्तियों तक पहुंचता है तो वहां बाढ़ के हालात पैदा हो जाते हैं। बड़े शहरों में पानी कालोनियों तक पहुंच जाता है। शहरों में प्रतिवर्ष लाखों वाहन बारिश के पानी में डूबने से खराब हो जाते हैं। सवाल यह उठता है कि जलभराव किस वजह से हो रहा है? तो इसके सबसे प्रमुख कारण नगरों की विकास योजनाओं का अदूरदर्शितापूर्ण नियोजन और क्रियान्वयन, प्लास्टिक की थैलियां, नष्ट न होने वाला कचरा और नागरिकों की लापरवाही भरा नजरिया हैं। किसी भी योजना को लागू करने के पहले शहर की भौगोलिक स्थिति, शहर के ऊपरी, मध्य व निचले हिस्से का सर्वेक्षण कर निर्माण कार्यों से होने वाले लाभ-हानि पर समग्र विचार किया जाना चाहिए। इसके विपरीत दलीय राजनीति, निजी स्वार्थों और अपने इलाके का अन्य के मुकाबले अधिक व तेजी से विकास करने की लालसा के कारण इन बातों पर ध्यान नहीं दिया जाता। नगरीय विकास योजनाओं में हर शहर में प्रति वर्ष नालियों के निर्माण, मरम्मत एवं साफ-सफाई के लिए एक बड़ा बजट रहता है। स्थानीय नेता और पार्षद %अपने लोगों% को इन नालियों के निर्माण, मरम्मत और सफाई का ठेका दिलवा देते हैं। नेताओं-अफसरों की कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार में सहभागिता के कारण प्रभारी अधिकारियों, ठेकेदारों की अनुभवहीनता घटिया दर्जे के निर्माणों को अनदेखा कर देते हैं। ये सब कारण स्थिति को बदतर बना देते हैं।

राजनैतिक दलों की अनुशंसा पर शहर की भौगोलिक स्थिति और विकास की जरूरतों को समझे बिना भारी-भरकम बजट से होने वाले ये अनियोजित विकास कार्य जलभराव के मुख्य कारण होते हैं। मुंबई में हर साल बृहन्नमुंबई महानगरपालिका मानसून आने के पहले जल निकासी की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करती है लेकिन चंद घंटों की बारिश ही पूरे मुंबई की दशा बदल कर व्यवस्था की पोल खोल देती है। कई स्थानों पर गटर के ढक्कन खुले रहते हैं जिनकी वजह से मुंबई में हर साल कई जानें जाती हैं। बारिश और जलभराव के कारण मुंबई में पुराने मकानों के गिरने से भी कई लोग जान से हाथ धो बैठते हैं। हादसों में हुई मौतों पर एक-दो दिन हंगामा होता है और फिर वे ही हालात हो जाते हैं। दिल्ली में भी हालात किसी से छिपे नहीं हैं। पहले यहां सड़कों के किनारे पैदल चलने की जगह में टाईल्स लगी। बाद में इंटरलॉक टाईल्स लगाई गईं जिससे पानी जमीन के भीतर जा सके। अब हर जगह कांक्रीट की सड़कें बन रहीं हैं जिनसे पानी जमीन के अंदर नहीं जाता और जल भराव की समस्या पैदा हो रही है। कांक्रीट से बनी सड़कें जमीन के स्तर से ऊंची हैं, मतलब सड़कों के किनारे बने घरों का लेवल नीचा है। इसलिए बारिश का पानी आसानी से घरों में घुस जाता है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में विकास कार्य के नाम पर करोड़ों रुपए खर्च किए जा चुके हैं, लेकिन चंद घंटों की बारिश में ही निर्मित सड़कों व अन्य जगहों पर बनी कालोनियों में जलभराव हो जाता है। शहर के बीच की स्थिति तो और भी बुरी है। जगह-जगह कचरे से पटी नालियां भी इसका एक मुख्य कारण हैं जिनमें दुकानदार, स्थानीय नागरिक हर तरह का कचरा फेंक देते हैं। सरकारें जनता को समझाती हैं कि नागरिकों को किस तरह रहना चाहिए, प्लास्टिक का उपयोग नहीं करना चाहिए आदि-आदि; किन्तु जलभराव की विभीषिका को भोगने के बावजूद एक नागरिक के तौर पर हम अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभाते हैं।

संपादकीय

कितना व्यवहारिक है गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करना?

इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने और उसके मौलिक अधिकार देने की सलाह अव्यावहारिक कही जा सकती है। गाय को काटने के एक आरोपी की उत्तर प्रदेश में गौ हत्या प्रतिबंध कानून के अंतर्गत जमानत याचिका को खारिज करते हुए उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि कानून के जरिये गायों को बुनियादी हकों के दायरे में लाया जाना चाहिये। जस्टिस शेखर कुमार यादव ने अपनी टिप्पणी में कहा कि %हमें पता है कि किसी भी देश की संस्कृति और आस्था को ठेस पहुंचने से देश कमजोर होता है।% उनकी यह भी राय थी कि %गायों का कल्याण होने पर ही देश का कल्याण होगा।% जस्टिस यादव के माना कि देश में विभिन्न धर्मों के लोग रहते हैं और लोगों की इस पर अलग-अलग राय हो सकती है। गौशालाओं की दुर्दशा पर भी न्यायालय ने खेद जताया है। प्रथम दृष्टया तो यही प्रतीत होता है कि न्यायमूर्ति गायों को लेकर जनभावना के अनुरूप ही अपनी टिप्पणी व्यक्त कर रहे हैं, लेकिन यह मुद्दा इतना सहज नहीं है। महात्मा गांधी से लेकर भारतीय जनता पार्टी तक गोवंश की हत्या पर रोक के अनेक प्रयास हुए हैं लेकिन यह भी सच है कि देश में खानपान की विविधता है और यह सम्भव नहीं है कि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने का कानून लाकर उसके काटने को पूरा ही वर्जित कर दिया जाए। भारत बीफ निर्यात का बड़ा देश है। खासकर, गोवंश की हत्या को लेकर और उसे माता कहने वाली भाजपा के शासन काल में तो देश का बीफ निर्यात कई गुना बढ़ गया है। यह भी सर्वज्ञात है कि बीफ निर्यात से सरकार को बड़ी आय होती है। इसलिये वह गायों के कटने पर पूर्ण प्रतिबंध वाला कानून लाकर अपना माली नुकसान नहीं कराएगी। फिर, अब तो यह एक प्रमुख राजनैतिक मुद्दा बन गया है जो भाजपा को वोटों की फसल देता है। केरल एवं कश्मीर में भाजपा विरोधी दलों पर गोहत्या एवं बीफ के सेवन को मुद्दा बनाती है जबकि गोवा, असम, मेघालय एवं मणिपुर में वह इस विषय पर मौन साध लेती है क्योंकि वहां यह एक प्रमुख खाद्य के रूप में इस्तेमाल होता है। जहां तक गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की बात है, तो हम वर्तमान में राष्ट्रीय पशु शेर और राष्ट्रीय पक्षी मोर का हाल देख ही रहे हैं। सवाल यह भी है कि गाय को अब तक माता कहा जाता है तो फिर उसे पशु कैसे माना जा सकता है? उत्तर प्रदेश एवं देश के कई राज्यों में गोमांस रखने या खाने पर लोगों को मार तक डाला गया है। अगर यह कानून बन जाता है तो निश्चित ही इसका और भी दुरुपयोग होगा। इसे लेकर साम्प्रदायिक तनाव फैलाने और राजनैतिक दुश्मनी भुनाने का इस्तेमाल होगा। अभी उत्तरप्रदेश के इस कानून ने समस्याएं ही बढ़ाई हैं। उप्र के आवारा मवेशी फसलों को बर्बाद कर देते हैं लेकिन कोई उन्हें हकालने की जुर्रत तक नहीं करता। सड़कों पर इन लावारिस पशुओं के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। गाय के नाम पर लड़ाई-झगड़े होते हैं, सो अलग। ज़रूरत ऐसे किसी कानून की नहीं वरन गोवंश के लिये व्यवहारिक योजना बनाने की है। अनेक राज्य संरक्षित गौशालाओं में गायों, बछड़ों की भूख-प्यास और बीमारियों से मौतों की खबरें देश भर से आती रहती हैं। गाय को माता मानने वाले इन गौशालाओं के संचालक सरकारी इमदाद की जमकर लूट करते हैं। एक कृषि प्रधान देश में गोवंश के महत्व से हर कोई वाकिफ है लेकिन इस मुद्दे को जोर-शोर से उठाने वाली भाजपा इनके कुशल प्रबंधन में असफल तो रही है, लेकिन उसका राजनैतिक उपयोग करना बखूबी जानती है। न्यायालयों को सरकारों से इस बात का हिसाब लेना चाहिये कि वे गौ सहित सभी पशु-पक्षियों की उचित देखरेख में नाकाम क्यों रही है। पशु संरक्षण कानून में तो सभी पशुओं की सुरक्षा और संवर्धन का प्रावधान है और उनके अधिकारों के लिये कई संस्थाएं प्रयासरत भी हैं परन्तु सरकारों को गौवंश से अधिक गायों पर राजनीति की अधिक चिंता है। इसलिये इलाहाबाद हाईकोर्ट की यह टिप्पणीनुमा सलाह कितनी कारगर होगी, यह देखना होगा।

2024 की राजनीतिक लड़ाई निर्णायक होने वाली है

संकट के और गहराने से भारतीय अर्थव्यवस्था और नीचे गिर गई। नोटबंदी और जीएसटी से लेकर, उनके सभी उपाय जनता के विशाल बहुमत के जीवन स्तर को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे थे। बेरोजगारी दर बढ़कर 9.17 प्रतिशत; सीएमआईई, जून, 2021 में हो गई है, मुद्रास्फीति की दर 12 प्रतिशत ;संपूर्ण बिक्री मूल्य, एमओएसपीआई, जुलाई, 2021 में तक पहुंच गई है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में मोदी का आत्मनिर्भर भारत 107 देशों में 94वें स्थान पर है। यह सब कोविड-19 के कारण नहीं हुआ, जैसा कि सरकार को संकट से बचाने वाले सिपाहियों ने दावे किये हैं। संकट प्रणालीगत और मानव निर्मित है, भले ही वित्त मंत्री ने इसे ईश्वर के कार्य के रूप में पेश किया हो। आरएसएस-भाजपा सरकार, लोगों की शिकायतों को दूर करने के बजाय, उन पर और अधिक तकलीफें थोपने का प्रयास करती है।

- बिनय विश्वम

कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा बुलाई गई बैठक में शामिल होने वालों से हर मुद्दे पर दृष्टिकोण में एकता की उम्मीद नहीं की जाती है। बेशक उनके बीच वैचारिक और राजनीतिक मतभेद मौजूद हैं। लेकिन वे सभी एक आम दुश्मन से लड़ने के लिए एक आम समझ के साथ आए। बैठक ने 20 से 30 सितंबर तक संयुक्त राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन आयोजित करने का आह्वान किया, जो देश की राजनीतिक प्रक्रिया में एक सराहनीय कदम है। जिन अशांत दिनों से देश गुजर रहा है, राजनीतिक विकास की गति तीखा मोड़ लेगी। किसी भी देश की राजनीति में लोगों की तकलीफों और आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करने की क्षमता होनी चाहिए। आरएसएस-भाजपा शासन के उदय के बाद से भारत के जीवन में हुए बदलाव ने लोगों की पीड़ा को बढ़ा दिया है। नरेंद्र मोदी ने कई वादे किए हैं, लेकिन उनमें से कोई भी लोगों के कल्याण के लिए नहीं था। सब का साथ, सब का विकास की आड़ में वे देश को लूटने के लिए घरेलू और विदेशी दोनों कंपनियों के लिए मार्ग प्रशस्त करते रहे हैं। आत्मनिर्भर भारत की उनकी समझ पृथ्वी, आकाश और लोगों के हित को भी अति-धनवानों के असीम लालच को संतुष्ट करने के लिए समर्पित कर देने की है।

संकट के और गहराने से भारतीय अर्थव्यवस्था और नीचे गिर गई। नोटबंदी और जीएसटी से लेकर, उनके सभी उपाय जनता के विशाल बहुमत के जीवन स्तर को गंभीर रूप से प्रभावित कर रहे थे। बेरोजगारी दर बढ़कर 9.17 प्रतिशत; सीएमआईई, जून, 2021 में हो गई है, मुद्रास्फीति की दर 12 प्रतिशत ;संपूर्ण बिक्री मूल्य, एमओएसपीआई, जुलाई, 2021 में तक पहुंच गई है। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में मोदी का आत्मनिर्भर भारत 107 देशों में 94वें स्थान पर है। यह सब कोविड-19 के कारण नहीं हुआ, जैसा कि सरकार को संकट से बचाने वाले सिपाहियों ने दावे किये हैं। संकट प्रणालीगत और मानव निर्मित है, भले ही वित्त मंत्री ने इसे ईश्वर के कार्य के रूप में पेश किया हो। आरएसएस-भाजपा सरकार, लोगों की शिकायतों को दूर करने के बजाय, उन पर और अधिक तकलीफें थोपने का प्रयास करती है। किसान विरोधी कृषि कानून, मजदूर विरोधी श्रम संहिता, आवश्यक रक्षा सेवा अधिनियम, सामान्य बीमा राष्ट्रीयकरण; संशोधन अधिनियम और सार्वजनिक क्षेत्र की बिक्री की पूरी चैन पाखंडी शासन का वास्तविक और राष्ट्र विरोधी चेहरा दिखाती है। सांप्रदायिकता और सामाजिक संघर्षों को हवा देकर आरएसएस और उसके परिवार ने अपनी विश्वासघाती कॉरपोरेट समर्थक नीतियों को छिपाने की कोशिश की। उनकी फासीवादी प्रवृत्ति के अनुरूप, भाजपा सरकार ने असहमति और चर्चाओं का गला घोंटने की कोशिश की। संसद के मानसून सत्र ने संसद और उसकी प्रक्रियाओं के प्रति उनकी पूर्ण उपेक्षाओं का खुलासा करके रख दिया है। जिस तरह से उन्होंने विधेयकों को पारित किया, वह लोकतंत्र के बुनियादी सिद्धांतों के प्रति उनकी अवमानना को दर्शाता है। फासीवादी लोकतंत्र और संसद सहित उसके ढांचों को उसी हद तक बर्दाश्त करेंगे, जब तक वे संस्थाएं उनके वर्ग हितों की धुन पर नाचती हैं, उन्हें पूरा करती हैं। ऐसा परिदृश्य निस्संदेह लोकतंत्र और उसके भविष्य के लिए खतरनाक है। 20 अगस्त को हुई 19 विपक्षी दलों की बैठक उपरोक्त परिस्थितियों में महत्वपूर्ण हो जाती है। यह लोगों के रहन-सहन की स्थिति के प्रति भारत की विकासशील राजनीतिक सतर्कता का प्रकटीकरण था। इस तरह की पहल तभी सार्थक होगी जब वे राजनीतिक और सामाजिक दोनों रूप से सामान्य पुरुषों और महिलाओं की चिंताओं पर उचित ध्यान दें। इस संबंध में एक सकारात्मक कदम के रूप में विपक्ष की बैठक का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

भारत जैसे विशाल और बहुलतावादी देश में, राजनीतिक प्रक्रिया का विकास भी जटिल होगा। विभिन्न ताकतों और पार्टियों के विचार और नजरिये एक जैसे नहीं हो सकते हैं। देश में वस्तुगत स्थिति सभी को याद दिलाती है कि देश उन आवश्यक राजनीतिक कार्यों के लिए अनिश्चित काल तक प्रतीक्षा नहीं कर सकता है जो लोगों में विश्वास और आशा ला सकते हैं। भारत की 60 प्रतिशत से अधिक जनता भाजपा सरकार और उसकी जनविरोधी नीतियों का विरोध करती है। लेकिन उनकी आवाज बिखरी हुई है। यदि वे लोग एक संयुक्त कार्य योजना की ओर बढ़ेंगे, तो देश की राजनीति को बदला जा सकता है। भारत के लिए ऐसा बदलाव अपरिहार्य है, हालांकि आसान नहीं है। हो सकता है कि विभिन्न तबकों के विपक्षी दल अपने-अपने अंदाज में अपना काम कर रहे हों। लेकिन गंभीर रूप से वे विश्वसनीय विकल्प की तलाश करने वाले लोगों की अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतर सके। भाकपा 2015 से धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक और वामपंथी ताकतों के एक व्यापक मंच के विचार का अनुसरण कर रही थी। इसलिए जहां तक पार्टी का सवाल है उस दिशा में कोई भी कदम स्वागत योग्य कदम है। इसी परिप्रेक्ष्य में पार्टी ने 20 अगस्त को हुई बैठक में भाग लिया। जहां तक देश के भविष्य की बात है तो 2024 की राजनीतिक लड़ाई निर्णायक होने वाली है। पिछले चुनाव में भाजपा के खिलाफ खड़ी हुई साठ प्रतिशत जनता आज की अवांछित सरकार को हटाने के लिए सामूहिक इच्छाशक्ति के साथ विभिन्न ताकतों की ओर देख रही है। यह अपनी विशिष्ट जटिलताओं के साथ एक भारी कार्य है। धर्मनिरपेक्षता और लोकतंत्र के प्रति प्रतिबद्धता वाला कोई भी राजनीतिक दल इस कार्य से दूर नहीं रह सकता।

उनके तालिबान, तालिबान, हमारे वाले संत !!

- सरोज बादल

कट्टरतायें चाहें जिस रंग रूप की हों, जो भी झण्डा उठाकर, नेजा या त्रिशूल लहराती आएं सार में एक सी होती हैं। कट्टरताओं की फिसलन हमेशा जहालत और बर्बरता की ओर ले जाती है। अफगानिस्तान के फज़ल मोहम्मद, अब्दुल्ला अतेफी और फवाद अंदराबी की मौत पर हम सब स्तब्ध और दुःखी हैं, सारी मनुष्यता को शोक मनाना चाहिए। अपने 20 साल के नाजायज और सर्वनाशी कब्जे के दौरान अफगानिस्तान से लोकतांत्रिक संगठनों, आंदोलनों और समझदार व्यक्तियों का पूरी तरह सफाया करने के बाद अमरीकी उसे तालिबानों के लिए हमवार बनाकर, उन्हें इस खुले जेलखाने की चाबी थमाकर चले गए हैं। जाते - जाते इन्हें सिर्फ अपना असला-बारूद, अरबों डॉलर और हवाई बेड़ा ही सौंप कर नहीं गए अच्छा तालिबानी होने का प्रमाणपत्र भी देकर गए हैं। इस पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और अपने लगुओं-भगुओं से भी अंगूठा लगवा कर गए हैं। यह ठेठ अमरीकी अंदाज है; जहं जहं पांव पड़े दुष्टन के तहं तहं बंटाढार!! इन अछे तालिबानों ने अपनी अछाई का प्रदर्शन करने के लिए भले जोरदार प्रचार अभियान छेड़ा हो, बाइडेन और उसके नाटो गिरोह के ब्रिटेन जैसे देश उनकी विज्ञप्तियों को छाप-दिखाकर अपनी आपराधिक लिप्तता छुपाने में लगे हों मगर असलियत बयानों में नहीं कारगुजारियों में नुमायां होती है - जो एक के बाद एक लगातार हो रही है।

पिछले महीने भर में इन तालिबानियों ने अफगानिस्तान की तीन बड़ी साहित्यिक-सांस्कृतिक शख्सियतों की क्रूर हत्या करके अपनी अछाई के दावे के खोखलेपन को उजागर कर दिया है। सबसे पहले वे 28-29 जुलाई में खाशा जवान के नाम से लोकप्रिय व्यंगकार कॉमेडियन फज़ल मोहम्मद के लिए आये। उन्हें उनके घर से उठाकर ले गए और मार डाला। उसके बाद वे 4 अगस्त को कवि और इतिहासकार अब्दुल्ला अतेफी के लिए आये और उन्हें मार डाला। महीना पूरा होने से पहले ही 29-30 अगस्त को उन्होंने अफगानिस्तान के लोकप्रिय लोकगायक और संगीतकार फवाद अन्दराबी को उनके घर में घुस कर गोलियों से भून दिया।

अभी न्यूयॉर्क टाइम्स के साथ एक इंटरव्यू में तालिबानी सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने अन्दराबी के कत्ल को जायज ठहराते हुए दावा किया है कि इस्लाम में संगीत की मनाही है। द काइट रनर और थाउजेंड स्प्लेंडिड संस जैसे बेस्ट सेलर उपन्यासों के अफगानी मूल के लेखक खालेद होसैनी ने इसे शुद्ध बर्बरता करार दिया है और अमेरिका को इसका जिम्मेदार ठहराया है। सभ्यताओं के विनाश और सांस्कृतिक धरोहरों के सत्यानाश के अमरीकी रिकॉर्ड उनकी पैदाइश से उसके साथ है। कोई 529 साल पहले जब लुटेरे कोलम्बस ने अमेरिका खोज निकाला था तब पर्याप्त विकसित सभ्यताओं वाले अनेक कबीले इस महाद्वीप पर रहते थे। उन सबका नरसंहार करके जो अमेरिका बना तब से लेकर 2003 में बग़दाद में दुनिया की सबसे पुरानी लाइब्रेरी और म्यूजियम के साथ जो किया वह सबने देखा। यही उसने बीस बरस तक अफगानिस्तान में किया इसकी सचमुच की खासियत यह है कि जो भी उसके साथ गया या जिसके भी वो पास गया वह कहीं का नहीं रहा। न तंत्र बचा न लोकतंत्र , न अमन बचा, न चमन। बचा तो सिर्फ और सिर्फ बिखराव, कोहराम और अराजकता; कट्टरता और बर्बरता।

बहरहाल यहां प्रसंग तालिबानी प्रवक्ता का यह दावा है कि इस्लाम में संगीत निषिद्ध है; हराम है। क्या सचमुच? 2007 में बनी एक पाकिस्तानी फिल्म खुदा के लिये में इस बेहूदी धारणा के सांड़ को बहुत ही दिलचस्प अंदाज में सीधे सींग से पकड़ा गया है। फिल्म में इस्लामिक स्कॉलर मौलाना वली बने नसीरुद्दीन शाह ने खुद इस्लाम के उदाहरणों के साथ इस धारणा को गैर इस्लामिक बताया है। वे कहते हैं कि दुनिया भर में अब तक हुए कुल जमा 1 लाख 24 हजार पैगम्बरों से सिर्फ 4 पर किताबें नाजल हुई। इनमें से एक थे हजरत दाऊद जिन्हें अल्ला ने मौसिकी- संगीत- बख्शा। वे पूछते हैं कि, मौसिकी अगर हराम है तो महज 4 ख़ास पैगम्बरों में से एक को ख़ास इसी काम के लिए क्यों भेजा गया? 2007 की यह फिल्म एक सुन्नी शोयेब मंसूर ने पाकिस्तान में बैठकर बनाई है; जो बाकी सबके साथ इस बात का भी उदाहरण है कि धर्म के नाम पर फैलाई जाने वाली कट्टरता के खिलाफ जद्दोजहद उसी धर्म को मानने वालों के बीच जारी है - सही तरीका है भी यही। कट्टरतायें चाहें जिस रंग रूप की हों, जो भी झण्डा उठाकर, नेजा या त्रिशूल लहराती आएं सार में एक सी होती हैं। कट्टरताओं की फिसलन हमेशा जहालत और बर्बरता की ओर ले जाती है।

अफगानिस्तान के फज़ल मोहम्मद, अब्दुल्ला अतेफी और फवाद अंदराबी की मौत पर हम सब स्तब्ध और दुःखी हैं, सारी मनुष्यता को शोक मनाना चाहिए - मगर इसके साथ इन तीनों से कहीं पहले हिन्दुस्तान में 20 अगस्त 2013 को पुणे में गोलियों से भून दिए गए नरेंद्र दाभोलकर, 20 फरवरी 2015 को मुम्बई में मार डाले गए गोविन्द पानसारे और 30 अगस्त को धारवाड़ में क़त्ल कर दिए गए एम एम कुलबुर्गी की शहादतें और उनके हत्यारों का खुलेआम छुट्टा घूमना भी याद कर लेना चाहिए। पुणे और मुम्बई की लाइब्रेरियों, अहमदाबाद की पेंटिंग्स के संग्रहालय का ध्वंस और फिल्मों-गीतों-संगीतों पर नित नए हमले भी संज्ञान में लेना चाहिए। तमिल लेखक पेरुमल मुरुगन द्वारा जनवरी 2015 में अपने लेखक की मौत का ऐलान और उसकी वजह स्मरण में रखनी चाहिए।

क्योंकि, उनके तालिबान तालिबान हमारे तालिबान संत का दोगलापन कहीं नहीं ले जाएगा। भेड़िये सिर्फ भेड़िये होते हैं और लाखों वर्ष का विवरण और हजारों वर्ष की सभ्यता गवाह है कि भेड़ियों ने कभी गांव नहीं बसाये। और यह भी कि भेड़िये रौशनी और जगार से डरते हैं। वे मशाल जलाना नहीं जानते।

सच तो ये है कि आप हमें ऋणी बना कर चले गए

सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
जो भी फ़र्ज़ हमसे जुड़े थे, हर
फ़र्ज़ निभा कर चले गए।
कहते हैं के हर अधिकार से
जुड़ा एक फ़र्ज़ होता है।
आप हर अधिकार हमें देकर
हर फ़र्ज़ का ऋणी बना कर
चले गए।
कभी सोचा भी नहीं था के
आप यूं चले जाएंगे।
आज भी लगता है मानो अभी
लौट कर आ जाएंगे।
जिंदगी की सारी खुशियां हमें
देकर अपने जाने का ग़म दे
चले गए।
सच तो ये है के आप हमें ऋणी
बना कर चले गए।
घर की हर छोटी सी चीज़ भी
आपकी याद दिलाती है।
कितना कुछ किया आपने
हमारे लिए हर चीज गवाह बन
जाती है।
घर के हर कोने से आप ज़िंदगी
की सबसे मीठी याद देकर चले
गए।
सच तो ये है कि आप हम
ऋणी बनाकर चले गए।
कहते हैं कि पिता का दिल
कठोर होता है वो कभी नहीं
रोता है।
पर मेरे दूर जाने के गम में
पलकें भिगोते मैंने आपको
देखा है।
पिता की परिभाषा बदल
कठोरता को प्रेम में बदल कर
चले गए।
सच तो ये है की आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
मेरा बच्चा मेरे लिए ये करेगा
बचपन में ये हर मां बाप कहते
हैं।
कुछ भी नहीं कर पाए आपके
लिए आज भी इसलिए तड़पते
हैं।
अपने इस निस्वार्थ प्रेम में हम
सबको डूबो कर चले गए।
सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।
जैसे जो मांगा सब कुछ दिया
है, उम्मीद है कि ये भी देंगे।
आपके ऋण कुछ उतारने का,
उम्मीद है आप अवसर देंगे।
लौटेंगे आप फिर हमारे बीच
अनजाने ही ये उम्मीद दे चले
गए।
सच तो ये है कि आप हमें
ऋणी बना कर चले गए।

याददाश्त कमजोर होने के इन सामान्य कारणों को इग्नोर न करें

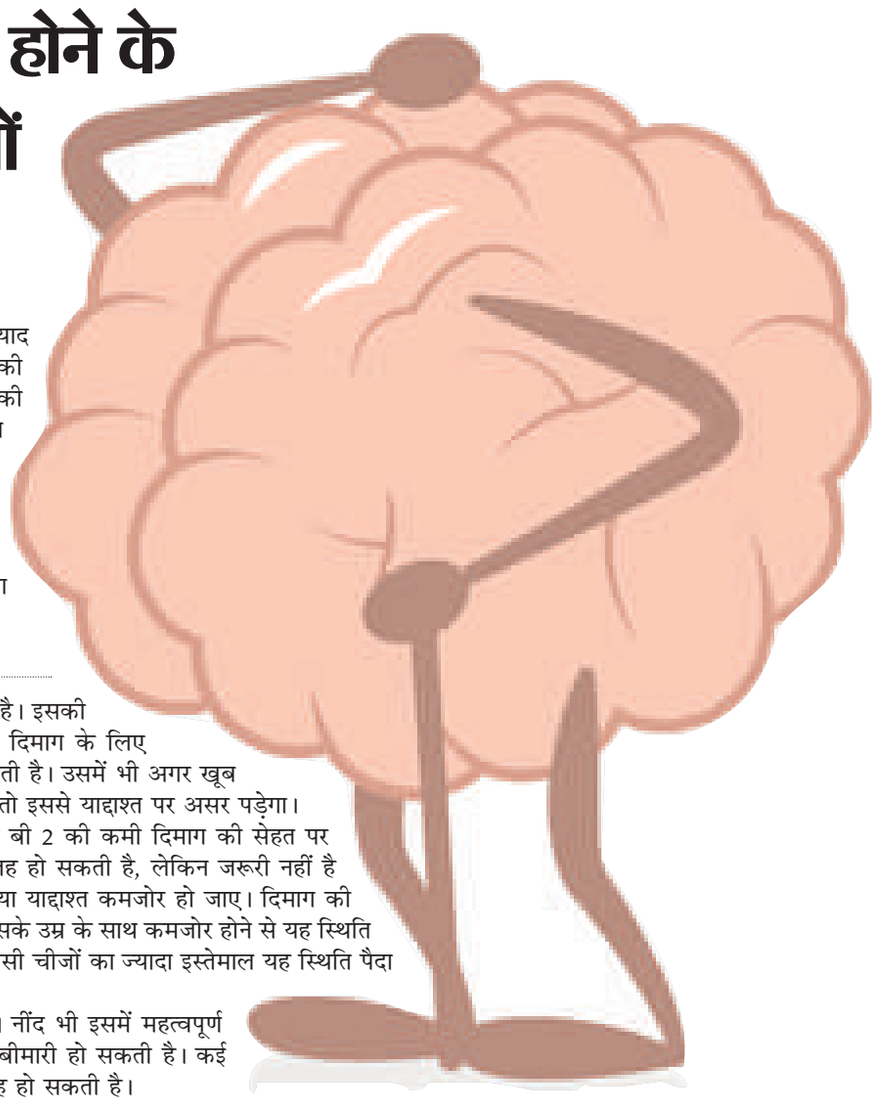

कभी-कभी चीजों को भूल जाना या कोई बात याद ना आ पाना आम बात है लेकिन जब भूलना आपकी आदत बनने लग जाए, तो समझ लें कि आपकी याददाश्त कमजोर हो रही है। वैसे तो मेमोरी लॉस के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें से एक बड़ा कारण है बढ़ती उम्र का असर होना लेकिन अगर बहुत कम उम्र में ही आप चीजें अक्सर भूलने लगे हैं, तो आपको मेमोरी लॉस का कारण जानकर इस समस्या पर काम करना शुरू करना चाहिए-

मेमोरी लॉस के कारण-

» खराब याद्दाश्त कई तरह से प्रभावित करती है। इसकी वजह स्वस्थ भोजन की कमी भी हो सकती है। दिमाग के लिए ज्यादा भारी खाना या ज्यादा शर्करा अच्छी नहीं होती है। उसमें भी अगर खूब मसालेदार भोजन या तली चीजें ज्यादा खा रहे हैं तो इससे याद्दाश्त पर असर पड़ेगा।

» रोजाना के खानपान में विटामिन बी 1 और बी 2 की कमी दिमाग की सेहत पर असर डालती है। वैसे तो उम्र भी इसकी एक वजह हो सकती है, लेकिन जरूरी नहीं है कि बढ़ती उम्र के साथ भूलने की बीमारी हो ही या याद्दाश्त कमजोर हो जाए। दिमाग की कोशिकाएं ही मेमोरी के लिए जिम्मेदार होती हैं। इसके उम्र के साथ कमजोर होने से यह स्थिति पैदा होती है। ज्यादा दवाइयों का सेवन या ड्रग्स जैसी चीजों का ज्यादा इस्तेमाल यह स्थिति पैदा कर सकता है।

» स्ट्रेस भी मेमोरी लॉस का मुख्य कारण है। नींद भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। नींद की कमी से भूलने की बीमारी हो सकती है। कई बार सिर पर गहरी चोट भी कम याद्दाश्त की वजह हो सकती है।

हाइपरटेंशन से बचाव के लिए आज से ही खाना शुरू कर दें ये पांच चीजें

भागती-दौड़ती जिंदगी में लोग अक्सर खाने-पीने को लेकर लापरवाही बरतते हैं, जिससे कई बीमारियों की चपेट में आने के साथ लम्बे समय तक अस्त-व्यस्त जीवनशैली रखने के कारण लोग हाइपरटेंशन के भी शिकार हो जाते हैं। अपनी जीवनशैली में स ह ी बदलाव लाते हुए डाइट में पोटेशियम, कैल्शियम और मैग्नीशियम की अच्छी मात्रा लेते हैं, तो आप अपने ब्लड प्रेशर को नियंत्रित कर सकते हैं। आज हम आपको ऐसे सुपरफूड्स के बारे में बता रहे हैं, जिनके नियमित सेवन से आप हाइपरटेंशन की बीमारी से बच सकते हैं।

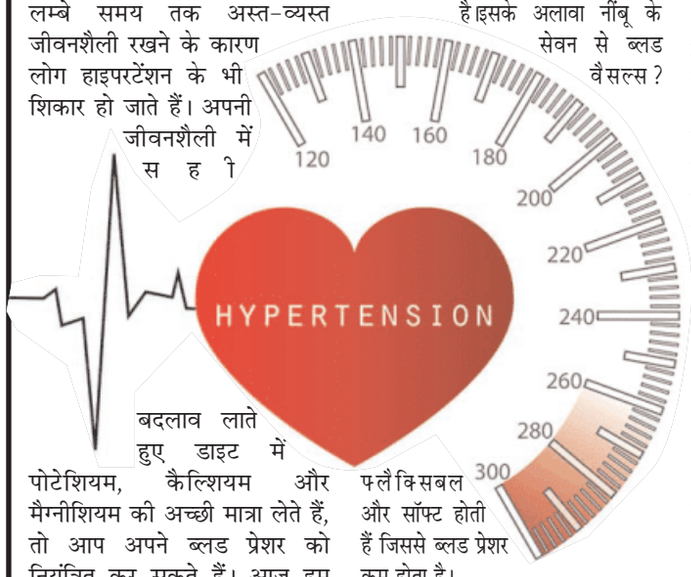

नींबू

नींबू में उच्च मात्रा में विटामिन सी होता है और ये एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है।ये बॉडी से फ्री रेडिकल्स को खत्म करता है।इसके अलावा नींबू के सेवन से ब्लड वैसल्स ? फ्लैक्सिबल और सॉफ्ट होती हैं जिससे ब्लड प्रेशर कम होता है।

दही

दही में प्रोटीन, कैल्शि यम, राइबोफ्लेविन, विटामिन बी 6 और विटामिन बी 12 काफी मात्रा में होते हैं, जो कि उच्च रक्तचाप की समस्यां को कम करते हैं और शरीर को कई प्रकार को लाभकारी अवयव मिलते हैं। दही में कैल्शियम अधिक मात्रा में पाया जाता है।

नारियल पानी

जो लोग हाइपरटेंशन की समस्या से परेशान हैं उन्हें बॉडी को हाइड्रेट रखना चाहिए।कोकोनट वॉटर में पोटैशियम, मैग्निशियम और विटामिन सी होता है जो कि ब्लड प्रेशर को कम करता है।

लहसुन

गार्लिक के यूं तो कई हेल्थ बेनिफिट्स हैं लेकिन कम लोग ही जानते होंगे कि लहसुन के सेवन से आसानी से ब्लड प्रेशर कम किया जा सकता है। बैड कॉलेस्ट्रॉल लेवल को भी कम करता है।

अंडे

अंडे में विटामिन, मिनरल और कई अन्य पौष्टिक तत्व पाए जाते हैं, जो एंडोर्फिन नामक एक रसायन का उत्पाद करते है। यह रसायन हमारे दिमाग में भी पाया जाता है। जो अवसाद व दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है।

वेट लॉस के लिए सप्ताह में तीन दिन जरूर खाएं मूंग दाल की खिचड़ी

वेट लॉस के लिए सप्ताह में तीन दिन जरूर खाएं मूंग दाल की खिचड़ी वेट लॉस करने के लिए एक्सरसाइज के साथ डाइट का ख्याल रखना भी बहुत जरूरी है, खासकर ब्रेकफास्ट में ऐसी चीजें खाने की जरूरत है जिससे कि वजन कम हो सके। आज हम आपको मूंग दाल की खिचड़ी बनाने की रेसिपी बता रहे हैं-

सामग्री

1 कप चावल
2 कप मूंग दाल
1/2 शिमला मिर्च
1 टीस्पून राई
1/4 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर
1/4 टीस्पून गरम मसाला
नमक स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले दाल और चावल को कई बार पानी से धोकर साफ कर ल े । मीडियम आंच पर प्रेशर कूकर में दाल, चावल, नमक और 4-6 कप पानी डालकर 4 सीटी आने तक पकाएं। इस बीच के लिए रख दें। कूकर का प्रेशर खत्म होने के बाद ढक्कन खोलकर खिचड़ी को बर्तन में निकाल लें। अब गरम तेल में राई डालकर तड़काएं। फिर शिमला मिर्च डालकर हल्का भून लें। गरम मसाला और लाल मिर्च पाउडर मिलाएं और तड़के को खिचड़ी पर डालकर मिक्स करें। तैयार है मूंगदाल की खिचड़ी। पापड़ के साथ गरमागरम सर्व करें।

कलर आईलाइनर लगाने से पहले इन बेसिक टिप्स को जरूर जान लें

आईलाइनर आंखों को हाइलाइट करके आपके मेकअप लुक को कम्पलीट बनाता है। बात करें, ड्रामेटिक लुक की, तो ब्लैक आईलाइनर की जगह कलर आईलाइनर का क्रेज देखने को मिलता है। खासकर आपको स्टाइलिश लुक देने के लिए ब्लू आईलाइनर सबसे बेस्ट ऑप्शन है लेकिन कलर आईलाइनर लगाते समय कुछ टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए, जिससे कि आपका लुक फनी न लगे।

» कलर आईलाइनर का इस्तेमाल आंखों को हाइलाइट करने के लिए किया जाता है इसलिए किसी भी कीमत पर कलर आईलाइनर लगाने के बाद रेगुलर मेकअप न करें। ऐसा करने से मेकअप ओवर लगेगा।

» आईलाइनर के कलर का चुनाव बेहद सोच समझकर करें। ब्लैक या डार्क ब्राउन के अलावा आप पिंक, लैवेंडर, बैंगनी, एक्वा और गोल्डन कलर्स को चुनें।

» मेकअप करते हुए कलर्ड लाइनर के इस्तेमाल के दौरान फोकस आंखों पर रखें। हैवी मेकअप या बोल्ड लिप कलर को अप्लाई करने से बचें। यह आपकी आंखों से ध्यान हटाएगा।

» बिगनर्स हैं, तो आप शुरूआत में पहले डार्क कलर को ही अप्लाई करें, क्योंकि यह एकदम से आपके लुक को बदलता है। उसके बाद आप धीरे-धीरे कलर्स के साथ एक्सपेरिमेंट कर सकती हैं। शुरूआत में ब्राउन या ब्लू कलर को चुना जा सकता है।

» कलर आईलाइनर लगाते हुए ध्यान रखें कि आपको मस्कारा ब्लैक कलर का ही लगाना है। लाइट मस्कारा नेचुरल आईलैशेज पर लगाएं लेकिन फेक आईलैशेज लगाने से बचें।

स्किन टैनिंग हटाने में कभी फेल नहीं होती ये पांच चीजें

धूप में जाने से अगर आपकी त्वचा झुलस गई है या ग्लो चला गया है, तो इसके लिए आपको कोई महंगी क्रीम लेने की जरुरत नहीं है। आप नेचुरल चीजों का इस्तेमाल करके भी स्किन टेनिंग से मुक्ति पा सकते हैं। आइए, जानते हैं कैसे पाएं टेनिंग से मुक्ति-

टमाटर

टमाटर को मैश कर लें और इस पेस्ट को चेहरे पर अच्छे से लगाएं। इसें 15 मिनट तक ऐसे ही लगे रहने दें और फिर पानी से धो लें। इस तरीके को हफ्ते में दो बार दोहराएं। ये स्किन से टैनिंग को दूर कर उसे ब्राइटर और ग्लोइंग बनाएंगा।

बेसन

थोड़े से बेसन में चुटकी भर हल्दी मिला लें। एक बर्तन लें और उसमें तीन छोटे चम्मच बेसन, एक चम्मच ओलिव ऑयल और नींबू का रस मिलाएं। इसमें चुटकी भर हल्दी भी मिला लें। इन सब को अच्छे से मिलाएं और चेहरे पर लगाएं। इसे 15 मिनट तक लगा रहने दें और फिर कम गर्म पानी से धो लें। ऐसा हफ्ते में दो बार करें।

शहद

एक छोटे चम्मच शहद में दो चम्मच दही मिलाएं। इन्हें अच्छे से मिलाकर चेहरे पर लगाएं और 15 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। अब कम गर्म पानी से चेहरा धो लें। बेहतर रिजल्ट के लिए ऐसा रोजाना करें।

एलोवेरा जेल

सोने से पहले एलोवेरा को स्किन पर जरूर लगाएं। इसकी पतली लेयर को चेहरे पर लाएं और अगली सुबह धोएं। बेहतर रिजल्ट के लिए ऐसा रोजाना करें।

खीरा

खीरे को अच्छे से ब्लैंड कर लें और इसके जूस को दूध में मिला लें। इसके पेस्ट को चेहरे और हाथों पर लगाएं। इसे 15 से 20 मिनट तक लगा रहने दें और धो लें। ऐसा दिन में दो बार करें और जल्द ही बेहतर रिजल्ट पाएं।

तालिबान को महिलाओं का चैलेंजः हेरात शहर में सड़कों पर उतरीं महिलाएं

तालिबान से शिक्षा और रोजगार का हक देने की मांग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज काबुल

काबुल/हेरात। अफगानिस्तान पर कब्जे के बाद मुल्क में हर तरफ खौफ का माहौल है। क्या बच्चे और क्या बड़े, हर वर्ग और तबका मुंह खोलने से डर रहा है। इसी दहशत के बीच, देश के पश्चिम में स्थित हेरात शहर में महिलाएं सड़कों पर उतरीं। उन्होंने तालिबान से शिक्षा और रोजगार का हक देने के लिए आवाज बुलंद की। तालिबान ने 15 अगस्त को काबुल पर फतह के साथ ही अफगानिस्तान पर कब्जे का मिशन लगभग पूरा कर लिया था। अमेरिकी फौज भी वापस जा चुकी है।

खतरों के बावजूद हेरात की कुछ महिलाओं ने साहस दिखाया और तालिबान की बनने जा रही हुकूमत के सामने अपनी मांगें रखीं। तालिबान के खिलाफ यह इस तरह का पहला विरोध प्रदर्शन है।

टोलो न्यूज की रिपोर्टर ने खबर दी

तालिबान अक्सर अपने खिलाफ उठने वाली आवाज को बंदूक के दम पर दबा देते हैं। हेरात में जब गुरुवार को महिलाएं सड़क पर विरोध प्रदर्शन के लिए उतरीं तो दुनिया तक इसकी खबर टोलो न्यूज की संवाददाता जाहरा रहीमी ने पहुंचाई। उन्होंने सोशल मीडिया पर फोटो के साथ इस खबर को शेयर किया।

महिलाओं ने क्या कहा?

विरोध प्रदर्शन में शामिल 24 साल की मरियम अबराम ने बाद में 'अल-जजीरा' टीवी से कहा- हमने मजबूरी में विरोध का फैसला किया। तालिबान महिलाओं को रोजगार के अवसर देने पर साफ बात करने को तैयार नहीं दिखते। हमें कहा जा रहा है कि आप काम पर नहीं जा सकतीं। ऑफिस जाते हैं तो वहां से लौटा दिया जाता है। हमने पुलिस चीफ और कल्चरल डायरेक्टर से भी बात की। उन्होंने डेमोक्रेसी खत्म करके मुल्क पर कब्जा किया है। ये बताएं कि अब क्या करेंगे? मरियम ने आगे कहा- मैंने कुछ दूसरी महिलाओं को साथ लेकर तालिबान के अफसरों से मुलाकात की। उनसे कहा कि वो सही हालात की जानकारी दें। ये बताएं कि वो महिलाओं को शिक्षा और रोजगार का हक देंगे या नहीं, लेकिन बदकिस्मती से अब तक तालिबान ने कोई साफ जवाब नहीं दिया। लिहाजा, हमें सड़कों पर उतरना पड़ा। अब हमारी आवाज पूरा देश सुनेगा। तालिबान आज भी वैसे ही हैं, जैसे 20 साल पहले थे।

गनी करप्ट थे तो ये क्या हैं

मरियम ने आगे कहा- तालिबान कहते हैं अशरफ गनी की पिछली सरकार भ्रष्ट थी, लेकिन ये क्या कर रहे हैं? इनके नेता शेर मोहम्मद स्टेनकजई कहते हैं कि कैबिनेट में महिलाओं को जगह नहीं मिलेगी। हम अपना हक मांग रहे हैं। महिलाओं के बिना तालिबान की सरकार चल नहीं पाएगी। अगर नेशनल असेंबली (लोया जिरगा) में महिलाओं को बराबर की हिस्सेदारी मिलती है तो हम इसे स्वीकार करेंगे।

तालिबान ने काबुल पर कब्जे के बाद कई बार कहा है कि वे महिलाओं को शरियत के दायरे में रहकर काम और शिक्षा का अधिकार देना चाहते हैं। हालांकि अब तक इस बारे में कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए।

आतंक के बाद भुखमरी की कगार पर अफगानी

अफगानिस्तान आतंक के कब्जे में आने के बाद अब भुखमरी की कगार पर खड़ा है। करीब 4 करोड़ की आबादी दाने-दाने की मोहताज होने वाली है। इसे लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) ने चेतावनी देते हुए कहा कि अफगानिस्तान में इस माह के अंत तक के लिए खाद्यान्न बचा है। पहले से ही आफत के मारे अफगानिस्तान के लोगों को दो वक्त की रोटी मुहैया कराने के लिए 20 करोड़ डॉलर (करीब 1461 करोड़ रुपए) की तत्काल जरूरत है। इस संबंध में यूएन ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अफगानियों के लिए भोजन की व्यवस्था करने के लिए अपील की है। यूएन के विशेष उप प्रतिनिधि और अफगानिस्तान में मानवाधिकार संयोजक रामिज अलकबारोव ने कहा कि इस युद्धग्रस्त देश में कम से कम एक-तिहाई जनता यह नहीं बता सकती कि उन्हें हर दिन भोजन मिलेगा या नहीं। यहां यही हालत हैं। उन्होंने काबुल में एक वर्चुअल कॉन्फ्रेंस में बताया कि खाद्य असुरक्षा पूरे देश में घर कर चुकी है। ऐसा तब है, जब 6 लाख से ज्यादा अफगानी लोग पहले ही बेघर हो चुके हैं। पिछले दिनों पाक सीमा पार करके ट्रकों से 600 मीट्रिक टन खाद्यान्न अफगानिस्तान भेजा गया था। पर अब वो भी खत्म हो चुका है।

देश के 394 जिलों में मदद भेजने का प्रयासः यूएन ने बताया कि देश के आधे से ज्यादा बच्चे 5 साल से कम के हैं, जो अत्यधिक कुपोषित हैं। यूएन अभी काबुल एयरपोर्ट पर मौजूद 800 बच्चों को खाना मुहैया करा रहा है। जबकि देश के 394 जिलों में सहायता भेजने का प्रयास जारी है।

दिल्ली दंगे की जांच को लेकर कोर्ट की नाराजगीः हमारी आंखों में धूल झोंकने की कोशिश कर रही पुलिस

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दिल्ली में पिछले साल हुए दंगों को लेकर दिल्ली की एक कोर्ट ने पुलिस को फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा है कि बंटवारे के बाद के सबसे बुरे दंगे की जैसी जांच दिल्ली पुलिस ने की है, यह दुखदाई है। जब इतिहास पलटकर इसे देखेगा तो यह लोकतंत्र के प्रहरियों को दुख पहुंचाएगा। इस मामले में एडिशनल सेशन जज विनोद यादव ने शाह आलम (पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन के भाई), राशिद सैफी और शादाब को मामले से बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि यह जांच संवेदनाहीन और निष्क्रिय साबित हुई है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा लगता है जैसे कॉन्सटेबल को गवाह के तौर पर प्लांट किया गया था। जज विनोद यादव ने कहा कि यह केस करदाताओं की मेहतन की कमाई की बर्बादी है। कोर्ट ने यह भी कहा कि ये और कुछ नहीं बल्कि, पुलिस ने हमारी आंखों में धूल झोंकने की कोशिश की है।

दिल्ली दंगे में आरोपियों के खिलाफ कोई सुबूत नहीं

कोर्ट ने इस बात पर भी ध्यान खींचा कि वारदात की जगह पर कोई ष्टष्टञ्जङ्क कैमरा नहीं था, जिससे यह पता लगाया जा सके कि वाकई में आरोपी वहां मौजूद थे। न इस घटना के कोई चश्मदीद गवाह है और न ही इसके आपराधिक षड्यंत्र होने के कोई सुबूत हैं।

जज ने कहा- मैं खुद को यह कहने से रोक नहीं पा रहा हूं कि जब लोग बंटवारे के बाद के सबसे बुरे इस दंगे को पलटकर देखेंगे तो, आधुनिक तकनीकों के बाद भी सही जांच करने में पुलिस की नाकामी देखकर लोकतंत्र के प्रहरियों को दुख पहुंचेगा। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसा लगता है जैसे पुलिस ने सिर्फ चार्ज शीट दाखिल कर के गवाहों को, तकनीकी सुबूत या असली आरोपी को ढूंढने की कोशिश किए बिना केस को हल कर दिया।

शिमला में भारी बारिश के दौरान छाते के नीचे टहलते लोग।

न्यूज ब्रीफ

ट्रेन में अंडरवियर में घूमे JDU विधायकः तेजस राजधानी एक्सप्रेस में गोपाल मंडल की शर्मनाक हरकत

पटना। नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के विधायक गोपाल मंडल की एक शर्मसार करने वाली हरकत सामने आई है। वे गुरुवार रात पटना (राजेन्द्र नगर) से नई दिल्ली जा रही 02309 तेजस राजधानी एक्सप्रेस में सफर कर रहे थे। इस दौरान वे ट्रेन में सिर्फ बनियान और अंडरवियर में टहलते दिखे। यात्रियों ने कड़ी आपत्ति जताई तो उनसे गाली-गलौज करने लगे। विधायक ने चलती ट्रेन में खूब हंगामा किया। यात्रियों की शिकायत पर ट्रेन में एस्कॉर्ट कर रही RPF की टीम मौके पर पहुंची। समझाने के बाद विधायक अपने -1 कोच के कूपे में चले गए। वहीं दिल्ली में यात्री की शिकायत पर विधायक गोपाल मंडल पर FIR दर्ज कर ली गई है।

टॉयलेट से लौटे तो कपड़े उतरे हुए थेः विधायक गोपाल मंडल और उनके साथी सीट नंबर 13, 14 और 15 पर सफर कर रहे थे। वे टॉयलेट से लौटे तो सिर्फ बनियान और अंडरवियर में थे। इस पर 22-23 नंबर सीट पर बैठे यात्री प्रह्लाद पासवान ने आपत्ति जताई। पासवान अपने परिवार के साथ थे। उन्होंने कहा कि यहां महिलाएं भी बैठी हैं ऐसे में आपको मर्यादा का ध्यान रखना चाहिए। इस पर विधायक ने गलती मानने की बजाय बहस शुरू कर दी।

केस दर्ज, शिकायतकर्ता को रास्तेभर परेशान करते रहेः विधायक गोपाल मंडल पर FIR दर्ज कर ली गई है। दिल्ली रेलवे पुलिस को दिए आवेदन में प्रह्लाद पासवान ने आरोप लगाए कि उनके लोगों ने मेरे साथ मारपीट की। सोने की चेन और सोने की अंगूठी छीन ली। साथ ही जातिसूचक शब्द कहकर गाली दी। प्रह्लाद पासवान ने यह भी आरोप लगाया कि विधायक और उनके साथ चलने वाले सभी लोग शराब के नशे में थे। पूरे रास्ते उन्हें परेशान किया गया। मुंह में गंदा पानी डाल दिया गया।

गोपाल मंडल के बचाव में उतरी JDU: मामला गर्म होने पर शुक्रवार दोपहर भवन निर्माण मंत्री अशोक चौधरी विधायक के बचाव में आए गए। बचाव करते हुए उन्होंने कहा- कभी-कभी आदमी लेटा रहता है, सोया रहता है तो अंडरवियर-गंजी में निकल जाता है। हालांकि, सार्वजनिक जगह पर इन सब

सामाजिक दूरी के मानदंडों को बनाए नहीं रखने वाले लोग कोलकाता में एक आधार सेवा केंद्र के बाहर इकट्ठा होते हैं।

दिल्ली विधानसभा में मिली सुरंगः लालकिले तक जाने का सीक्रेट रास्ता मिला

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा में गुरुवार को एक सुरंगनुमा ढांचा खोजा गया है। विधानसभा के स्पीकर राम निवास गोयल ने कहा कि यह सुरंग विधानसभा को लालकिले से जोड़ती है। उन्होंने बताया कि ब्रिटिशर्स स्वतंत्रता सेनानियों को एक से दूसरी जगह ले जाने में इसका इस्तेमाल करते थे। गोयल ने यह भी कहा- जब मैं 1993 में विधायक बना, तो ऐसी बातें सुनता था कि यहां सुरंग मौजूद है जो लाल किले तक जाती है। मैंने भी इतिहास जानने के लिए इस सुरंग को खोजने की कोशिश की, लेकिन इसे लेकर कभी कुछ साफ नहीं हुआ। अब हमें इस सुरंग का प्रवेश द्वार

मिल गया है, लेकिन हम इसे आगे नहीं खोद रहे हैं। मुमकिन है कि सुरंग के आगे का रास्ता मेट्रो प्रोजेक्ट और सीवर इंस्टॉल करने में नष्ट हो गया हो।

पहले कोर्ट हुआ करती थी दिल्ली विधानसभाः गोयल ने कहा कि जब देश की राजधानी कोलकाता से दिल्ली लाई गई तो, दिल्ली विधानसभा केंद्रीय विधानसभा के तौर पर इस्तेमाल की जाती थी। 1926 में इसे कोर्ट में तब्दील कर दिया गया और इस सुरंग के जरिए अंग्रेज स्वतंत्रता सेनानियों को कोर्ट तक लेकर आते थे।

मनसुख हिरेन की मौत का मामलाःNIA ने दायर की चार्जशीट

मुंबई। मुकेश अंबानी के घर एंटीलिया के पास मिली विस्फोटक से भरी स्कॉर्पियो के मालिक मनसुख हिरेन की हत्या के मामले में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी ने चार्जशीट फाइल कर दी है। NIA ने सचिन वझे समेत 10 लोगों को आरोपी बनाया है। चार्जशीट में कहा गया है कि मनसुख की हत्या करवाने के लिए 45 लाख रुपए दिए गए थे। मनसुख मामले में चार्जशीट पेश करने के लिए स्पेशल कोर्ट ने 9 जून को NIA को 2 महीने का वक्त दिया था। जांच एजेंसी ने अदालत को बताया कि अब तक 150 गवाहों के बयान दर्ज किए गए हैं। एक टीम ने जांच के लिए दिल्ली जाकर भी कुछ लोगों से पूछताछ की है।

तालिबान कश्मीर में दखल देगा

कश्मीर क्या, भारत या किसी भी देश में मुस्लिमों के लिए आवाज उठाने का हमें हक हैः प्रवक्ता

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

तालिबान ने अफनागिस्तान में अपनी सरकार के ऐलान से पहले रंग दिखाना शुरू कर दिया है। भारत के साथ अच्छे रिश्ते रखने की बात करने वाले तालिबान के प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने गुरुवार शाम एक इंटरव्यू में कहा है कि तालिबान को कश्मीर समेत पूरी दुनिया के मुसलमानों की आवाज उठाने का हक है। शाहीन ने कहा कि मुस्लिम हमारे अपने लोग हैं, हमारे नागरिक हैं और कानून के तहत उन्हें बराबरी का अधिकार है।

पहले तालिबान ने कहा था- कश्मीर द्विपक्षीय मामला

शाहीन से पहले तालिबानी नेताओं ने कहा था कि कश्मीर द्विपक्षीय और अंदरूनी मामला है। भारत के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागजी ने कहा था कि भारत का लक्ष्य ये निश्चित करना है कि अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल किसी भी तरह की आतंकी गतिविधि के लिए न हो।

अल-कायदा ने कहा- कश्मीर को इस्लाम के दुश्मनों से आजाद कराओः आतंकी संगठन अल-कायदा ने अफगानिस्तान में जीत के लिए तालिबान को बधाई दी थी। अल-कायदा ने इस बधाई संदेश में इस्लाम के दुश्मनों से कश्मीर और दूसरी इस्लामी जमीनों की आजादी की बात कही थी। अल-कायदा ने फिलीस्तीन, लेवेंट, सोमालिया और यमन जैसे क्षेत्रों की आजादी की अपील की थी।

अफगानिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री बोले- अफगानी नहीं चाहते कि कश्मीर मुद्दा यहां आए

अफगानिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री और हिज्ब-ए-इस्लामी गुलबुद्दीन (।ढ्ढत्र) पार्टी के नेता गुलबुद्दीन हिकमतयार भी तालिबान से चर्चा कर रहे हैं। हिकमतयार ने एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा है कि तालिबान को अफगानिस्तान की जमीन का इस्तेमाल किसी और देश के खिलाफ नहीं होने देने के वादे पर टिकना चाहिए। हिकमतयार के मुताबिक अफगानिस्तान के लोग नहीं चाहते कि कश्मीर विवाद, भारत-चीन सीमा विवाद और तिब्बत जैसे मुद्दे अफगानिस्तान पहुंचें।

तालिबान अफगानिस्तान की नई सरकार का ऐलान कर सकता है, मुल्ला बरादर संभालेगा कमान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में तालिबानी सरकार का ब्लूप्रिंट तैयार हो गया है। न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के सूत्रों के मुताबिक मुल्ला बरादर अफगानिस्तान की नई सरकार की कमान संभालेगा। वहीं तालिबान के फाउंडर मुल्ला उमर का बेटे मुल्ला मोहम्मद याकूब और साथ ही शेर मोहम्मद अब्बास स्टेनकजई को भी तालिबानी सरकार में अहम पद दिए जाएंगे। ये सभी काबुल पहुंच चुके हैं जहां नई सरकार का ऐलान किसी भी वक्त किया जा सकता है। दैनिक भास्कर के सूत्रों के मुताबिक अफगानिस्तान की वास्तविक सत्ता शूरा समिति के हाथ में ही रहेगी।

कौन है मुल्ला बरादर? तालिबान का को-फाउंडर मुल्ला बरादर संगठन में दूसरे नंबर का नेता है। तालिबान के 1996 से 2001 तक के शासन में मुल्ला बरादर ने अहम भूमिका निभाई थी। 2001 में अमेरिकी हमले के वक्त वो अफगानिस्तान में तालिबानी सरकार का रक्षा मंत्री था। 2001 के बाद जब अमेरिका ने अफगानिस्तान में कब्जा किया तो मुल्ला बरादर पाकिस्तान चला गया।

चिकमगलूर में ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

न्यूज ब्रीफ

रिकॉर्ड ग्रैंड स्लैम के लिए आगे बढ़े जोकोविच, ग्रीक्सपूर को हराया

न्यूयॉर्क। शीर्ष वरीयता प्राप्त नोवाक जोकोविच ने अमरीकी (यू.एस.) ओपन टेनिस टूर्नामेंट के दूसरे दौर में नीदरलैंड के टेलोन ग्रीक्सपूर को हराकर करियर ग्रैंड स्लैम के अपने सपने को पूरा करने की ओर मजबूत कदम बढ़ाया। जोकोविच 1969 के बाद कैलेंडर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाला पहला पुरुष खिलाड़ी बनने की दावेदारी पेश कर रहे हैं। वह इस साल हार्ड कोर्ट पर आस्ट्रेलिया ओपन, क्ले कोर्ट पर फ्रेंच ओपन और ग्रास कोर्ट पर विंबलडन का खिताब जीत चुके हैं। सर्बिया का यह खिलाड़ी अगर यहां खिताब जीत लेता है तो यह उनका रिकॉर्ड 21वां पुरुष एकल ग्रैंड स्लैम खिताब होगा। ग्रैंड स्लैम खिताब के मामले में उनके साथ रोजर फेडरर और राफेल नाडल के नाम 20-20 खिताब है। इस साल ग्रैंड स्लैम मुकाबलों में जोकोविच की यह 23वीं जीत है और वह इन दोनों ऐतिहासिक उपलब्धि को अपने नाम करने से पांच जीत दूर है। जोकोविच ने ग्रीक्सपूर को सीधे सेटों में 6-2, 6-3, 6-2 से हराया। विश्व रैंकिंग में पहले स्थान पर काबिज इस खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के शुरूआती दौर में डेनमार्क के क्वालीफायर होल्गर विटस नोड्सकोव रुने के खिलाफ खेले गए मैच से इस जीत की तुलना करते हुए कहा- मैं सही मानसिकता और एकाग्रता के साथ मुकाबले के लिए आया था। निश्चित रूप से कुछ रात पहले की तुलना में यह मेरा बेहतर प्रदर्शन था।

रोनाल्डो की 'घर वापसी' पर मॉडल कैटरीना मारिया ने कराया रिविलिंग फोटोशूट

नई दिल्ली। मैनचैस्टर यूनाइटेड में क्रिस्टियानो रोनाल्डो की वापसी से ग्लैमर मॉडल कैटरीना मारिया बेहद खुश हैं। कैटरीना ने रोनाल्डो की वापसी के बाद मैच के दिन स्पैशल रिविलिंग फोटोशूट कराया। मारिया शुरू से ही मैनचैस्टर यूनाइटेड क्लब की फैन रही हैं। उन्होंने बीते साल जून में अपने फैंस के साथ वादा किया था कि अगर रोनाल्डो की घर वापसी (पुराना क्लब) होती है तो वह फोटोशूट करवाएंगी। कैटरीना मारिया ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं। मैं उस दिन का इंतजार कर रही थी जिस दिन वह लौटेगा। और मुझे विश्वास नहीं हो रहा है कि वह अब यहां है। मैं और तस्वीरें पोस्ट करूंगी। मैं नई होम शर्ट लेने की योजना बना रही हूं, जिस पर उसका नाम और नंबर होगा। मैं अभी भी कल की खबर पर रो रही हूं। घर में आपका स्वागत है क्रिस्टियानो! क्या आशीर्वाद है।

टोक्यो पैरालिंपिक में छा गई हमारी अवनि

टोक्यो पैरालिंपिक में छा गई हमारी अवनि50 मीटर एयर राइफल प्रतिस्पर्धा में मान बढ़ाया, एक ओलिंपिक में दो मेडल जीतने वाली देश की पहली खिलाड़ी बनीं

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज टोक्यो

टोक्यो पैरालिंपिक में देश के लिए पहला गोल्ड मेडल जीतने वालीं अवनि लेखरा ने 50 मीटर एयर राइफल महिला प्रतिस्पर्धा में ब्रॉन्ज मेडल जीत इतिहास रच दिया है। अवनि एक ओलिंपिक में दो मेडल जीतने वाली देश की पहली खिलाड़ी बन गई हैं, वहीं अवनि की जीत के बाद उनके परिवार और जयपुर में खुशी का माहौल है। अवनि के दादा जीआर लेखरा ने बताया कि उनकी पोती ने इतिहास रच दिया है, जिसे कभी नहीं भुलाया जा सकता। इससे पहले जयपुर की रहने वाली अवनि लेखरा ने टोक्यो पैरालिंपिक में 10 मीटर एयर राइफल में भारत को पहला गोल्ड दिलाया है। फाइनल में 249.6 पॉइंट हासिल कर उन्होंने यूक्रेन की इरिना शेटनिक के रिकॉर्ड की बराबरी की। शूटिंग में गोल्ड जीतने के साथ ही अवनि देश की पहली महिला खिलाड़ी बन गईं, जिसने ओलिंपिक या पैरालिंपिक में गोल्ड मेडल जीता हो। हालांकि इसके बाद 1 सितंबर को अवनि 10 मीटर मिश्रित एयर राइफल प्रतिस्पर्धा में क्वॉलिफाई राउंड में ही बाहर हो गई थीं। अवनि के परिवार ने बताया कि वो खेल के साथ पढ़ाई में भी अव्वल हैं। अवनि के दादा जीआर लेखरा ने बताया कि अवनि का जयपुर से टोक्यो तक का सफर काफी संघर्ष भरा है। अवनि ने हिम्मत और लगातार मेहनत करके सभी बाधाओं को हराकर कामयाबी हासिल की है।

2012 में हुआ था हादसा

2012 में महाशिवरात्रि के दिन अवनि का एक्सीडेंट हो गया था, जिससे उसे पैरालिसिस हो गया। तब वह पूरी तरह हिम्मत हार चुकी थी। अपने कमरे से भी बाहर नहीं निकलती थी, लेकिन अवनि के परिवार ने उसे हिम्मत दी। माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। अवनि की मेहनत का ही नतीजा है कि वह दुनियाभर में भारत का नाम रोशन कर रही है।

इंग्लिश पेसर एंडरसन का जज्बा

जब कोहली और रहाणे क्रीज पर थे तब एंडरसन को घुटने में चोट लगी

खून बहने के बावजूद बॉलिंग करते रहे

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज लंदन

ओवल टेस्ट में इंग्लिश पेस अटैक को लीड कर रहे जेम्स एंडरसन के जज्बे की हर ओर तारीफ हो रही है। उनकी एक फोटो वायरल हो रही है, जिसमें उनकी पैंट पर घुटने के पास खून के धब्बे दिखाई दे रहे हैं। फैंस ने ये तस्वीर सोशल मीडिया पर शेयर की है और आश्चर्य जाहिर किया है कि खून निकलने के बाद भी एंडरसन बॉलिंग करते रहे। फोटो उस वक्त की है, जब कोहली और चेतेश्वर पुजारा क्रीज पर थे। एंडरसन ने कोहली पर दबाव बनाया और चेतेश्वर पुजारा का विकेट भी लिया। इंग्लिश गेंदबाजों की मेहनत की बदौलत चौथे टेस्ट में कोहली की टीम बैकफुट पर है। इंग्लिश गेंदबाजों ने टीम इंडिया को 191 रन पर समेट दिया।

एंडरसन के घुटने से बहा खून

मैच के दौरान एंडरसन जब गेंदबाजी कर रहे थे तो कैमरामैन ने कैमरा उनके घुटनों की तरफ दिखाया तो उनके ट्राउजर पर खून लगा हुआ नजर आया। ये घटना भारतीय पारी के 42वें ओवर की है, तब कप्तान विराट कोहली (50) और उपकप्तान अजिंक्य रहाणे (5) पर बल्लेबाजी कर रहे थे। बहते खून के बावजूद एंडरसन लगातार गेंदबाजी करते रहे। हालांकि, इस बात का पता नहीं चल सका कि उनको चोट कब और कैसे लगी। 39 वर्षीय एंडरसन ने अभी तक सीरीज में 20.79 की औसत के साथ कुल 14 विकेट चटकाए हैं।

ताबड़तोड़ फिफ्टी पर शार्दूल की तारीफें

भारत और इंग्लैंड के बीच 5 मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मैच लंदन के केनिंग्टन ओवल में खेला जा रहा है। जहां पहले दिन के खेल में टीम इंडिया सिर्फ 191 रनों के स्कोर पर सिमट गई। भारत ने भले ही 191 रन बनाए हो, लेकिन टीम के लिए शार्दूल ठाकुर बल्ले से अपनी छाप छोड़ने सफल रहे। ठाकुर ने अपनी दमदार बल्लेबाजी से सभी का दिल जीत लिया। शार्दूल ठाकुर ने आठवें क्रम पर बल्लेबाजी करते हुए मात्र 36 गेंदों पर 57 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली। अपनी पारी में शार्दूल ने सात चौके और तीन छक्के भी लगाए। खास बात ये रही कि उन्होंने अपना अर्धशतक सिर्फ 31 गेंदों पर पूरा कर लिया था। भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में किसी भी खिलाड़ी का दूसरा सबसे तेज अर्धशतक रहा। शार्दूल जब बल्लेबाजी के लिए उस समय टीम का स्कोर 117 पर 6 विकेट था और ऐसा लग रहा था कि शायद ही टीम अब 150 का आंकड़ा भी पार कर पाए, लेकिन शार्दूल ठाकुर ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से टीम के स्कोर को 200 के करीब ला खड़ा किया।

उमेश यादव की मैजिक बॉल

भारतीय फास्ट बॉलर ने सीरीज में 3 शतक जमा चुके जो रूट को क्लीन बोल्ड किया

ओवर्टन और मलान के विकेट भी लिए

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

भारत और इंग्लैंड की क्रिकेट टीमें इस समय ओवल क्रिकेट ग्राउंड (लंदन) में 5 टेस्ट मैचों की सीरीज का चौथा मुकाबला खेल रही है। भारतीय टीम पहली पारी में 191 रन पर सिमट गई। इसके बाद उमेश यादव और जसप्रीत बुमराह की शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने इंग्लैंड की आधी टीम को 62 रन के स्कोर पर पवेलियन भेज दिया। उमेश ने जिस गेंद पर जो रूट को बोल्ड किया उसे सीरीज की मैजिक बॉल भी कहा जा रहा है।

आउट स्विंग समझ कर खेल रहे इंग्लैंड के कप्तान

इंग्लिश कप्तान उमेश यादव की जिस गेंद पर बोल्ड हुए उसे वे आउट स्विंग समझकर खेलने गए थे। लेकिन पिच पर टप्पा खाकर गेंद ने कांटा बदला और तेजी से स्टंप की ओर बढ़ गई। साइड ऑन पॉजिशन में होने के कारण रूट इसे संभाल नहीं सके और गेंद उनके बैट और पैड के बीच से गुजरती गिल्लियां उड़ा ले गई चौथे दिन इंग्लैंड के शुरुआती दो विकेट भी उमेश यादव ने ही लिए। उन्होंने पहले नाइट वाचमैन क्रेग ओवर्टन (1 रन) को स्लिप में विराट कोहली के हाथों कैच आउट करवाया।

केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर और MoS नीतीश प्रमाणिक नई दिल्ली में एक सम्मान समारोह के दौरान टोक्यो पैरालिंपिक, देवेंद्र झाझरिया और सुमित अंतिल के पदक विजेताओं के साथ।

बाबर आजम का माइंड गेम : पाकिस्तान के कप्तान ने कहा-

टी-20 वर्ल्ड कप के मुकाबले में भारत पर होगा दबाव, 24 अक्टूबर को है भारत से मैच

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज इस्लामाबाद

टीम इंडिया इसी साल अक्टूबर-नवंबर में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में अपने अभियान का आगाज 24 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ करेगी। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने इस मैच को लेकर अभी से माइंड गेम खेलना शुरू कर दिया है। आजम ने कहा कि इस मुकाबले में भारतीय टीम पर दबाव होगा। उनकी टीम भारत को हराकर जीत से आगाज करने के इरादे से उतरेगी।

रमीज राजा से मिलने गए थे बाबर

बाबर आजम ने गुरुवार को रमीज राजा से मिलने के बाद भारत से मुकाबले पर बयान दिया है। रमीज राजा पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के नए प्रमुख बनने वाले हैं।

UAE में खेलना घर में खेलने जैसा

बाबर आजम ने कहा कि टी-20 वर्ल्ड कप श्व में होने से पाकिस्तान को फायदा मिलेगा। उनका मानना है कि पाकिस्तान की टीम के लिए UAE में खेलना घर में खेलने जैसा है। 2009 में श्रीलंकाई टीम पर लाहौर में हुए हमले के बाद पाकिस्तान में इंटरनेशनल मैचों का आयोजन बंद हो गया था। इस कारण पाकिस्तान ने श्व को ही अपना होम बेस बनाया था और उसकी घरेलू सीरीज के मुकाबले वहीं होते थे।

भारत से वर्ल्ड कप में कभी नहीं जीता है पाकिस्तान

वनडे और टी-20 दोनों वर्ल्ड कप में पाकिस्तान की टीम कभी भारत ने नहीं जीत पाई है। भारत ने वनडे वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को सात बार और टी-20 वर्ल्ड कप में पांच बार हराया है। टी-20 वर्ल्ड कप में भारत और पाकिस्तान का एक मैच टाई रहा था। इसे भारत ने बॉल आउट में जीता था।

मिडिल ऑर्डर की कमजोरी को स्वीकार किया

बाबर आजम ने माना कि पाकिस्तान की लिमिटेड ओवर की टीम इस समय मिडिल ऑर्डर की समस्या से जूझ रही है। उन्होंने कहा- हमारा मिडिल ऑर्डर लंबे समय से निरंतरता के साथ परफॉर्म नहीं कर रहा है। मुझे उम्मीद है कि न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के दौरान हम इस कमजोरी पर काम करेंगे और सुधार करेंगे।

SUPER HERO

यदि आप

किसी भी व्यक्ति को जानते हैं
जिसने, सामाजिक सरोकार में
असाधारण प्रदर्शन किया हो,
वह व्यक्ति आप स्वयं भी हो सकते हैं,
दोनों स्थिति में हमें पूर्ण विवरण, भेजें।

हम देश के असली नायक

SUPER HERO MP 2021
SUPER HERO IND 2021

खोज रहें हैं, उन्हें समाज, राष्ट्र के सामने लाना और सम्मान दिलवाना, आपका-हमारा संयुक्त प्रयास रहेगा।

Contact: Editorial Desk (Lifestyle),
ITDC News, 9826 220022
Email: responseitdc@gmail.com

PRESS ITDC ITDC NEWS

न्यूज़ ब्रीफ

पीएसयू भूखंडों की ई-नीलामी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के भूखंड बेचने की योजना बना रही है। 600 करोड़ रुपये से अधिक के भूखंड की बिक्री नए ऑनलाइन नीलामी मंच के जरिये की जाएगी। भूखंडों की बिक्री निवेश एवं लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) द्वारा की जाएगी और यह नीति आयोग द्वारा बुनियादी संपत्तियों के मुद्रीकरण पाइपलाइन की तरह ही होगी। दीपम जल्द ही बीएसएनएल, एमटीएनएल, बीईएमएल, शिपिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया तथा अन्य पीएसयू के बेकार पड़े भूखंडों को बेचने के लिए अंतिम मंजूरी लेगा। शुरुआती चरण में 600 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य के भूखंडों की बिक्री की जाएगी। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एमएसटीसी द्वारा विकसित ई-नीलामी प्लेटफॉर्म के जरिये संपत्तियों की यह पहली बिक्री होगी। एक अधिकारी ने बताया कि जिन भूखंडों की बिक्री की जाएगी, वे किसी तरह के विवाद से जुड़ी नहीं होगी। ऐसे भूखंडों की सूची दीपम द्वारा नियुक्त सलाहकार के साथ परामर्श करके तैयार की गई है। पोर्टल के जरिये नीलामी में आगे चलकर और भी संपत्तियां जोड़ी जा सकती हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के बेकार पड़े भूखंड बेचने की योजना सरकार द्वारा उनका मूल्यांकन करने की कवायद का हिस्सा है। यह राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन की तरह ही होगा, जिसके तहत सरकार ने दीपम को गैर-मुख्य संपत्तियों को मुद्रीकरण करने के लिए कहा है।

उपभोक्ताओं की कमजोर धारणा से आर्थिक सुधार हो सकते हैं प्रभावित

मुंबई। उपभोक्ताओं की धारणा अस्थिर लग रही है। अप्रैल 2020 में लॉकडाउन लगाने के बाद उपभोक्ताओं की धारणा पर प्रतिकूल असर पड़ा है। अधिकांश आर्थिक सूचकांक लॉकडाउन से पूर्व के स्तरों पर आ गए या इसके निकट पहुंच गए हैं मगर उपभोक्ता धारणा में बड़ा सुधार होता नहीं दिख रहा है। ऐसा प्रतीत होता है कि लॉकडाउन ने उपभोक्ताओं के मिजाज पर गहरा असर छोड़ा है। जुलाई 2021 में सीएमआईई का उपभोक्ता धारणा सूचकांक मार्च 2020 की तुलना में 45 प्रतिशत नीचे था। कमजोर धारणा शहरी क्षेत्र से लेकर देश के सुदूर गांव-देहात में भी दिखती है। ग्रामीण क्षेत्रों में धारणा सूचकांक 44 प्रतिशत तक फिसल गया था, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 48 प्रतिशत तक नीचे आ गया था। यह गिरावट दूसरे आर्थिक संकेतकों में आए दमखम की ठीक विपरीत है। सीएमआईई के सर्वेक्षण में पाया गया है कि श्रम भागीदारी एवं रोजगार सृजन में तेजी आई है। जुलाई में रोजगार सृजन मार्च 2020 की तुलना में 0.9 प्रतिशत अधिक रहा। रोजगार दर की स्थिति सुधरी है लेकिन उपभोक्ताओं में उत्साह का अभाव दिख रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) भी उपभोक्ता धारणा सूचकांक जारी करता है। इस सूचकांक के लिए आरबीआई का नमूना संकलन एवं गणना विधि सीएमआईई के कंज्यूमर पिरामिड्स हाउसहोल्ड सर्वे से अलग हैं। लेकिन इस सर्वेक्षण के निष्कर्ष भी सीएमआईई के उपभोक्ता धारणा से मेल खाते हैं।

ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में काम कर रही कंपनी, इंटरनेशनल क्लाइमेट समिट में बोले मुकेश अंबानी

रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले 3 साल में ग्रीन एनर्जी में 75,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

रिलायंस इंडस्ट्रीज की अगले 3 साल में ग्रीन एनर्जी में 75,000 करोड़ रुपए के निवेश करने की योजना है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि एनर्जी प्रोडक्शन में भारत आत्मनिर्भर बनेगा। साथ ही रिलायंस इंडस्ट्रीज 2035 तक नेट जीरो कार्बन कंपनी होगी। हाइड्रोजन की कीमत कुछ सालों में कम होने की उम्मीद है।

ग्रीन एनर्जी की ओर तेजी से जाना होगा

इंटरनेशनल क्लाइमेट समिट को संबोधित करते हुए रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने कहा कि भारत आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करेगा। क्लाइमेट चेंज दुनिया के लिए बड़ी चुनौती है। जलवायु परिवर्तन को नियंत्रण में रखना जरूरी है। इसके लिए हमें ग्रीन एनर्जी की ओर तेजी से जाना होगा। जलवायु परिवर्तन एक ग्लोबल समस्या है। इससे मिलजुल कर निपटना होगा।

RIL ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में काम कर रही

मुकेश अंबानी ने कहा कि ग्रीन हाइड्रोजन फॉसिल एनर्जी का बेहतर विकल्प है। हमें क्लीन, ग्रीन और न्यू एनर्जी के दौर में आना होगा। इसको ध्यान में रखकर ही ऋह्रुरु ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में काम कर रही है। कंपनी की ग्रीन एनर्जी में अगले 3 साल में 75,000 करोड़ रुपए के निवेश की योजना है।

RIL 2035 तक नेट जीरो कार्बन कंपनी होगी

मुकेश अंबानी ने कहा कि रिलायंस इंडस्ट्रीज 2035 तक नेट जीरो कार्बन कंपनी होगी। कंपनी की 2030 तक 100 त्रङ्ख रिन्यूएबल क्षमता सेटअप करने की योजना है। आगे एनर्जी प्रोडक्शन के लिए सोलर की अहम भूमिका होगी। पर्याप्त स्टोरेज, स्मार्ट मीटर से सोलर को मदद मिलेगी। कार्बन हटाने में ग्रीन हाइड्रोजन का अहम रोल होगा। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए कंपनी अपनी आगे की योजना पर काम कर रही है।

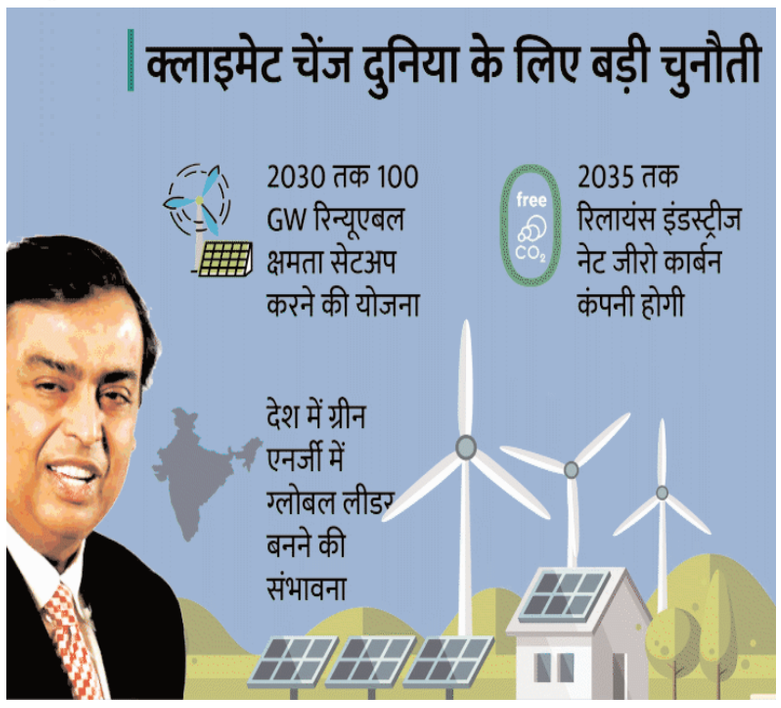

देश में ग्रीन एनर्जी में ग्लोबल लीडर बनने की संभावना

समिट को संबोधित करते हुए मुकेश अंबानी ने कहा कि प्रधानमंत्री का ग्रीन पावर पर फोकस दुनिया के लिए संदेश है। फॉसिल एनर्जी पर देश की बड़ी रकम खर्च होती है। मानव जाति के लिए जलवायु परिवर्तन बड़ी चुनौती बन गई है। इस चुनौती से निपटने के लिए भारत न्यू एनर्जी में आत्मनिर्भर बनने की ओर है। भारत में न्यू ग्रीन रिवॉल्यूशन की शुरुआत हो गई है। देश में ग्रीन एनर्जी में ग्लोबल लीडर बनने की संभावना है। आज यानी शुक्रवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज का BSE पर मार्केट कैप 15 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच गया है। वहीं कंपनी का शेयर BSE पर 1 बजकर 5 मिनट पर 2367.55 पर कारोबार कर रहा है।

बंधन और इंडसइंड सहित कई बैंक सेविंग्स अकाउंट पर दे रहे 6 फीसदी तक ब्याज

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

पंजाब नेशनल बैंक ने सेविंग्स अकाउंट (बचत खाता) पर मिलने वाले ब्याज में कटौती की है। अब इसके सेविंग्स अकाउंट में जमा पैसों पर 2.90 फीसदी ब्याज मिलेगा। इससे पहले बैंक इस पर 3 फीसदी ब्याज दे रहा था। ऐसे में अगर आप इन दिनों बैंक अकाउंट खुलवाने के बारे में सोच रहे हैं तो आज हम आपको बता रहे हैं कि कौन-सा बैंक सेविंग्स अकाउंट पर कितना ब्याज दे रहा है। मंथली एवरेज बैलेंस यानी वो अमाउंट जिसे आपको अपने अकाउंट में रखना जरूरी है। अलग-अलग बैंकों में ये अमाउंट कम और ज्यादा हो सकती है। ऐसे में खाता खुलवाते वक्त आप इस बात का ध्यान रखें कि मिनिमम बैलेंस जितना हो सके, उतना कम हो, वर्ना आप को पेनल्टी भरनी पड़ सकती है। मंथली एवरेज बैलेंस अर्बन और सेमी अर्बन के हिसाब से अलग-अलग होते हैं।

सेविंग्स अकाउंट पर मिलने वाले ब्याज पर भी देना होता है टैक्सः- इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80TTA के तहत बैंक/को-ऑपरेटिव सोसायटी/पोस्ट ऑफिस के सेविंग्स अकाउंट के मामले में ब्याज से सालाना 10 हजार रुपए तक की आय टैक्स फ्री है। इसका लाभ 60 साल से कम उम्र के व्यक्ति या HUF (संयुक्त हिन्दू परिवार) को मिलता है। वहीं सीनियर सिटीजन के लिए ये छूट 50 हजार रुपए है। इससे ज्यादा आय होने पर TDS काटा जाता है।

अगर आपकी कुल आय टैक्स के दायरे में न आती हो तो क्या करें?

अगर आपके सेविंग अकाउंट, FD या ऋष्ठ से सालाना ब्याज आय 10 हजार से अधिक है, लेकिन कुल सालाना आय (ब्याज आय मिलाकर) उस सीमा तक नहीं है, जहां उस पर टैक्स लगे तो बैंक TDS नहीं काटता। इसके लिए सीनियर सिटीजन को बैंक में फॉर्म 15॥ और अन्य लोगों को फॉर्म 15G जमा करना होता है।

दूरसंचार कंपनियां और तीन साहसी निर्णय

नई दिल्ली। वोडाफोन समूह और केयर्न एनर्जी तथा कुछ अन्य मामलों को प्रभावित करने वाले अतीत की तिथि से लागू कानून में संशोधन को समाप्त करना एक शानदार कदम था और यह साबित करता है कि सरकार क्या कुछ करने में सक्षम है। ऐसे में दो और बंधन हैं जिन्हें तोड़कर दूरसंचार और डिजिटलीकरण का अधिकतम लाभ लिया जा सकता है- दूरसंचार सेवा प्रदाताओं के समेकित सकल राजस्व (एजीआर) को तार्किक ढंग से नीति और विधान के जरिये लाइसेंस संबंधी राजस्व के रूप में परिभाषित करने की आवश्यकता है। स्पेक्ट्रम आवंटन और मूल्य निर्धारण में आमूलचूल सुधार की आवश्यकता है।

ईरान के मॉडल पर होगा तालिबान राज!

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

अफगानिस्तान पर नियंत्रण स्थापित करने के करीब दो हफ्ते बाद तालिबान ने अपनी सरकार गठन की तैयारी तेज कर दी है। खबरों के अनुसार तालिबान नेता गुरुवार को सरकार गठन को अंतिम रूप देने की तैयारी में जुटे रहे। गृह युद्ध से परेशान इस देश की अर्थव्यवस्था लगभग तबाह हो गई है। देश की अर्थव्यवस्था को संभालना तालिबान के नेतृत्व में गठित सरकार की सबसे बड़ी चुनौती होगी। तालिबान के प्रतिनिधि अहमदुल्लाह मुत्तकी ने सोशल मीडिया पर लिखा कि काबुल में राष्ट्रपति भवन में एक समारोह आयोजित करने की तैयारी हो रही है। तालिबान के प्रवक्ता जबिहउल्ला मुजाहिद ने कहा कि अगले कुछ दिनों के अंदर देश में नई सरकार का गठन हो जाएगा। नई सरकार पर अंतराष्ट्रीय दाताओं और निवेशकों की नजरें होंगी क्योंकि अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह विदेशी सहायता पर निर्भर है। इससे पहले समूह के एक वरिष्ठ सदस्य ने कहा कि तालिबान के सबसे बड़े धार्मिक नेता मुल्ला हेबतुल्ला अखुंदजादा अफगानिस्तान के सर्वोच्च नेता होंगे। ईरान में नेतृत्व की तर्ज पर यह व्यवस्था की जाएगी जहां सर्वोच्च नेता देश का सबसे बड़ा राजनीतिक और धार्मिक प्राधिकारी होता है। उसका पद राष्ट्रपति से ऊपर होता है और वह सेना, सरकार तथा न्याय व्यवस्था के प्रमुखों की नियुक्ति करता है। देश के राजनीतिक, धार्मिक और सैन्य मामलों में सर्वोच्च नेता का निर्णय अंतिम होता है। अफगानिस्तान के राष्ट्रपति सर्वोच्च नेता के अधीन काम करेंगे। तालिबान के सूचना एवं संस्कृति आयोग के वरिष्ठ अधिकारी मुफ्ती इनामुल्ला समांगनी ने बुधवार को कहा था कि नई सरकार बनाने पर बातचीत लगभग अंतिम दौर में है और मंत्रिमंडल को लेकर भी चर्चा हुई।

PRESS ITDC
ITDC NEWS
www.itdcindia.com
मध्य भारत से विश्वसनीय हिंदी दैनिक समाचारपत्र
आईटीडीसी न्यूज़,
विश्वसनीयता की अपेक्षा पर सच्चा बनाने के लिए हम निरंतर कार्य कर रहे हैं,
प्रति सप्ताह आप सभी का स्नेह।
मेरे लोग, मेरा विधान

इसके तहत हम आप सभी से अनुरोध कर रहे हैं कि
विश्लेषणात्मक रचनाएं, जनसामान्य हित में
नई जानकारियां, लेख, आलेख, टीका, विवेचना, समाचार, रोचक तथ्य,
नए प्रयास, अभिनव प्रयोग के रूप में हमें प्रेषित करें।
आपकी रचना, नाम, चित्र सहित, अधिकाधिक पाठकों तक पहुंचे,
इसके लिए हम, समाचार पत्र में प्रकाशित रचनाओं को,
देश के सभी प्रचलित सोशल मीडिया स्टैंड जैसे फेसबुक, लिंकेडीन, यूट्यूब, जीटॉक, ट्वीटर, इंस्टाग्राम
व्हाट्सएप्प एवं हमारे डिजिटल स्टैंड से प्रचार-प्रसार भी देंगे।
(दीर्घ समय तक https://www.itdcindia.com/saga-news.php पर भी उपलब्ध)
जिससे लाभान्वित जनों की संख्या निरंतर बढ़ती रहे।
आप सभी इच्छुकजन अपनी गैरमानदेय,
अप्रकाशित, नवीन, मूल एवं मौलिक रचना, हिन्दी में हमें प्रेषित करें।
(और अंग्रेजी में भेजने पर केवल हमारे डिजिटल स्टैंड पर ही प्रकाशन होगा)
उक्त हेतु, आपका चित्र, नाम, शहर, मोबाइल न, आपकी रचना, मेल करें-ईमेल
itdcnewsmp@gmail.com
इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़

प्रीमियम प्रोडक्ट्स का बढ़ेगा बाजार

बेहतर प्रोडक्ट के लिए ज्यादा कीमत देने को तैयार लोग, बढ़ रही प्रीमियम प्रोडक्ट्स की मांग

आईटीडीसी इंडिया ई-प्रेस/ आईटीडीसी न्यूज नई दिल्ली

कोविड महामारी ने देश में प्रीमियम प्रोडक्ट्स को लेकर नजरिया और इस्तेमाल करने का तरीका बदल दिया है। खाने-पीने और होम केयर पर खर्च बढ़ा है। ऐसे में स्त्रस्ष्टत्न सेक्टर में नॉर्मल प्रोडक्ट के मुकाबले प्रीमियम प्रोडक्ट्स की मांग ज्यादा बढ़ने की संभावना है।

प्रीमियम प्रोडक्ट्स का बाजार सालाना 10-15 फीसदी बढ़ेगा

ग्लोबल मैनेजमेंट कंसल्टिंग फर्म कर्नी के मुताबिक प्रीमियम प्रोडक्ट्स के भारतीय बाजार ने रफ्तार पकड़ना शुरू कर दिया है। अगले तीन सालों के दौरान इनका बाजार सालाना 10-15 फीसदी बढ़ेगा। दूसरी तरफ ग्लोबल मार्केट में इस सेगमेंट की ग्रोथ करीब 5 फीसदी रहेगी।

इनोवेटिव प्रोडक्ट्स के लिए लोग ज्यादा कीमत चुकाने को तैयारः- विप्रो एंटरप्राइजेज के चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर राघवेंद्रन स्वामीनाथन के मुताबिक, बीते कुछ सालों से देश में उपभोक्ताओं खास तौर पर ऊंची आय वाले मध्यम वर्ग की आय तुलनात्मक रूप से ज्यादा बढ़ रही है। ये लोग बेहतर और इनोवेटिव प्रोडक्ट्स के लिए ज्यादा कीमत चुकाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि देश की त्नष्ठक्क तेज रफ्तार से बढ़ रही है और प्रति व्यक्ति आय में भी इजाफा हो रहा है। ऐसे में प्रीमियम प्रोडक्ट्स का कारोबार तेजी से बढ़ेगा। देश में अलग-अलग उम्र के लोगों के लिए प्रीमियम प्रोडक्ट्स के मानक अलग-अलग हैं। लंदन की मार्केट रिसर्च कंपनी मिंटेल के मुताबिक, भारत में 33-44 साल के आधे लोग इनोवेटिव प्रोडक्ट्स को प्रीमियम मानते हैं।

इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर न्यूज़ के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक राधिका वीरेंद्र, स्वामी- इंटीग्रेटेड ट्रेड डेव्हेलपमेंट सेंटर इंडिया ईप्रेस द्वारा साई प्रिंटर्स, 91, जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित करवाकर, श्री परिसर, 23 पश्चिम निशातपुरा, डीआईजी बंगला, भोपाल से प्रकाशित। संपादक- राधिका वीरेंद्र आरएनआई क्र. MPHIN/2018/77221, 0755-4223334 पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।